भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

13 नवम्बर - 19 नवम्बर 2024

jagrukjanta.net

कार्तिक, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वादशी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-37, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

रेलवे सफर में अगर रिजर्वेशन है तो टिकता नहीं, जनरल में है तो उठता नहीं

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

आज के इस युग में मनुष्य के जीवन में सब सुविधाएं उपलब्ध हैं। बशर्ते वह उनका खर्चा वहन कर सके। यातायात की भी बहुतेरी सुविधाएं हैं। इस भागमभाग के जीवन में आदमी के पास समय या तो है नहीं। अगर है तो वह बहुत कम है। कई बार ऐसा होता है कि आदमी के पास बहुत समय होता है मगर उसकी आदत होती है जल्दी मचाने की। जैसे कहीं लाइन में लगना पड़े तो वहां पहुंचने वाला हर व्यक्ति जल्दी में होता है। वह चाहता है कि सबसे पहले अपना ही काम होना चाहिए। वह लाइन तोड़ता है, आगे खड़ा हो जाता है या वहां किसी से झगड़ने लगता है या फिर मन मसोस कर लाइन में लगता है। लाइन में काम होने के बाद चाहे वह निठल्ला ही बैठा रहेगा। मगर लाइन में हड़बड़ी जरूर मचाएगा। खैर हम बात कर रहे थे। रेलवे के सफर की। आजकल रेलवे में रिजर्वेशन की भारी मारामारी मची रहती है। कई-कई महीनों पहले ही रिजर्वेशन करा लिया जाता है। ऐसे में अचानक कार्य होने वालों को गाड़ियों में रिजर्वेशन नहीं मिलता। जिससे कईयों की यात्राएं नहीं हो पाती और उनके काम अधूरे ही रह जाते हैं। कई बार वेटिंग में अगर टिकट ले लिया तो कोई गारंटी नहीं कि वह कन्फर्म हो ही जाएगा। ऐनवक्त पर रेलवे का मैसेज आ जाता है कि आपका टिकट कन्फर्म नहीं हुआ है। ऐसे में यात्री क्या करे। कोई न कोई दूसरा विकल्प चुनना पड़ता है या फिर वह अपनी यात्रा स्थगित कर देता है। मगर देखने वाली बात यह है कि जिन लोगों का रिजर्वेशन हो जाता है तो वह कभी इधर, कभी उधर घूमता ही रहता है। हर स्टेशन पर वह गाड़ी से उतरकर प्लेटफार्म पर घूमता जरूर है। कभी कुछ खाने-पीने का सामान लेने के लिए या फिर वैसे ही गाड़ी के पास खड़ा हो जाता है। वहीं दूसरी ओर आप जनरल कोच में झांक कर देखिए। लोग-बाग बैठने के लिए झगड़ते ही दिखाई देंगे। कोई कहता है कि सीधा खड़ा हो भैया। हमारे ऊपर ही क्यों झुके जा रहे हो। कोई महिला-पुरुष दूसरे यात्री से रिक्वेस्ट करता नजर आएगा भैयाजी, बहनजी थोड़ा सा खिसको ना। हम भी बैठ जाएंगे। पैर दुखने लगे हैं खड़े-खड़े। मगर जो सवारी सीट पर बैठ गई वो टस से मस नहीं होती। क्या मजाल कि दूसरी सवारी बैठ जाए। दूसरा यात्री कहता सुना जा सकता है कि आपको इतना ही आराम पसंद है तो रिजर्वेशन में आते। जनरल में क्यूं आए। खिसको उधर। कई बार लोग बहस में उलझते हुए हाथापाई तक पहुंच जाते हैं। दूसरी तरफ देखो तो गाड़ी जैसे ही प्लेटफार्म पर आकर खड़ी होने को होती है लोग-बाग डिब्बे के पायदान पर झूलने लग जाते हैं। ऐसे में कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। मगर बात सीट मिलने की होती है इसलिए ये सब चलता ही रहता है। तभी तो जिसको रिजर्वेशन मिल गया वह तो अपनी सीट पर टिकता नहीं है और जिसे रिजर्वेशन नहीं मिला वह अपनी सीट छोड़ता ही नहीं है। चाहे उसे बैठे-बैठे कमर में दर्द ही क्यों न होने लग जाए।

shivdayalmishra@gmail.com

तत्काल सुनवाई के लिए बदले नियम

मौखिक उल्लेख की अनुमति नहीं: मौखिक उल्लेख की अनुमति नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मंगलवार को तत्काल सुनवाई के मामलों में चली आ रही पुरानी व्यवस्था को बदलने का आदेश दिया। अब मामलों की तत्काल सुनवाई में मौखिक उल्लेख की अनुमति नहीं होगी। खन्ना ने कहा कि तत्काल सुनवाई का कारण बताते हुए ईमेल या लिखित पत्र में इसका जिक्र करना होगा। उन्होंने वकीलों से इसके लिए ईमेल या लिखित पत्र भेजने की बात कही।

अब तक कैसे होती थी अपील

आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष अपने मामलों पर तत्काल सुनवाई के लिए उनका उल्लेख करते थे। चीफ जस्टिस ने न्यायिक सुधारों के लिए नागरिक-केंद्रित एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है और कहा है कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना और नागरिकों के साथ उनकी स्थिति की परवाह किए बिना समान व्यवहार करना न्यायपालिका का संवैधानिक कर्तव्य है।

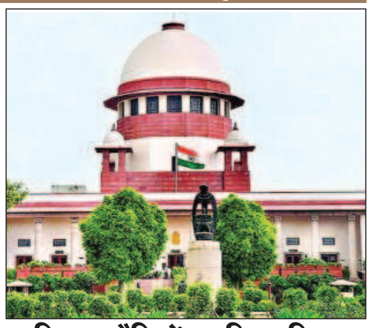

किन चुनौतियों का किया जिक्र

चीफ जस्टिस ने न्यायपालिका के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया जिनमें लंबित मामलों की संख्या कम करना, मुकदमेबाजी को किफायती बनाना और जटिल कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता शामिल है। उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली को सभी नागरिकों की जरूरतों को पूरा करना चाहिए। न्यायमूर्ति खन्ना ने मुकदमे की अवधि को कम करने, एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने और यह सुनिश्चित करने को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया कि नागरिकों के लिए कानूनी प्रक्रियाएं कठिन न हों।

सीआईएसएफ को मिली पहली महिला बटालियन, गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। महिलाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका बढ़ाने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय ने ऐताहासिक फैसले पर अपनी मुहर लगा दी है। इस मुहर लगने के साथ ही CISF को अपनी पहली ऑल वुमेन बटालियन मिल गई है। यह महिला सशक्तिकरण के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। गृह मंत्रालय ने 1 हजार से अधिक कर्मियों वाली पहली ऑल वुमेन बटालियन तैयार करने को मंजूरी दी है। यह फैसला एयरपोर्ट और अन्य अहम संस्थानों में सीआईएसएफ जवानों की ड्यूटी की बढ़ती जरूरत के मद्देनजर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस बटालियन को पहले से स्वीकृत 2 लाख कर्मियों के बल से तैयार किया जाएगा। रिजर्व बटालियन में 1025 महिला जवान होंगी। इस बटालियन का नेतृत्व वरिष्ठ कमांडेंट लेवल का अधिकारी करेगा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में देश की सेवा करने की इच्छा रखने वाली महिलाओं के लिए CISF एक पसंदीदा विकल्प रहा है।

परकोटे में पार्किंग और यातायात सुव्यवस्थित करें-दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि जयपुर के परकोटा बाजार में यातायात के सुव्यस्थित संचालन किया जाए। उन्होंने इस हेतु विस्तृत योजना बनाकर लागू करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पार्किंग की समस्या के निराकरण के लिए रामनिवास बाग में बनी पार्किंग में वाहन पार्क करने हेतु व्यापार मण्डलों से चर्चा कर समाधान करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन तथा जयपुर हेरिटेज की महापौर कुसुम यादव की उपस्थिति में मंगलवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में उन्होंने बजट घोषणा के तहत चिन्हित किए कामों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि रामनिवास बाग में बनी पार्किंग में वाहन पार्किंग को प्रोत्साहित किया जाए तथा इस हेतु न्यूनतम पार्किंग शुल्क चार्ज किया जाए। उन्होंने उक्त सम्बन्ध में उपआयुक्त यातायात पुलिस पूनम सागर को निर्देश दिए कि जयपुर यातायात पुलिस परकोटा क्षेत्र में यातायात के सुव्यस्थित संचालन के लिए कार्य योजना बनाकर लागू की जाए। गौरतलब है कि परकोटा विश्व विरासत और हैरिटेज के लिहाज से प्रमुख है। यहां बेतरतीब यातायात के चलते पर्यटन को गहरा आघात पहुंच रहा है।

बैठक में डायरेक्टर लोकल बॉडी कुमार पाल गौतम, हेरिटेज नगर निगम आयुक्त अरुण हसींजा, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत तथा उपनिदेशक पर्यटक सहायता बल विजय सेहरा उपस्थित रहे।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर देखें
jagrukjanta.net

बाल विवाह रोकथाम थीम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा राजकीय विद्यालय, आमेर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आमेर के सहयोग से आज दिनांक 12 नवंबर को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर टाबर स्वयं सेवी संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के साथ मिलकर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक की थीम बाल विवाह रोकथाम रहा।

कार्यक्रम के दौरान पल्लवी शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय ने बताया कि माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु वृहद स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन एवं बाल विवाह रोकथाम के विशेष निर्देश प्रदान किए है। जिसके अन्तर्गत माह नवंबर, 2024 से फरवरी 2025 तक विशेष बाल विवाह रोकथाम अभियान आयोजित किया जाना है। अभियान में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ही विशेष नुक्कड नाटक एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। इसी क्रम में राजकीय विद्यालय में नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से बाल विवाह से विवाहित बच्चों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को दिखाते हुए इसके समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को बताया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न स्कीम्स के माध्यम से आमजन को समय-समय पर विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान किए जाते रहे हैं, साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय सबके लिए की अवधारणा पर कार्यरत है। कार्यक्रम में कार्यक्रम के सफल संचालन के क्रम में धर्मवीर सिंह रोलानिया, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नं. 8, आमेर, वैभव सोनी, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नं.9, आमेर स्नेहलता यादव, वाइस प्रिंसिपल, कविता अवस्थी, व्याख्याता, जीनेश पटेल, कोर्डिनेटर, टाबर स्वयं सेवी संस्थान, बब्बन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

गुलाबीनगरी के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित रामकथा में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज बोले...

रामलला को ला सकते हैं तो मथुरा और काशी का ज्ञानवापी भी लाकर दिखाएंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। किसी भी संत को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जब रामलला को ला सकते हैं तो मथुरा और काशी के ज्ञानवापी को भी लाकर दिखाएंगे। ये कहना है कथावाचक जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का। छोटी काशी में हो रही श्री राम कथा में रामभद्राचार्य महाराज ने ताड़का वध और राम विवाह की लीला का प्रसंग सुनाते हुए इस ज्वलंत मुद्दे पर भी अपना विचार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि इस बार कुंभ में कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान का नामो-निशान मिट जाएगा। राम कथा में पहुंचे श्रोताओं को संबोधित करते हुए रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि उनसे कुछ भूल हो जाती है, वो बाद में हानिकारक हो जाती है। वो कठोर कहने के लिए बदनाम हैं, लेकिन फिर भी ये कहेंगे कि किसी भी संत को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जब रामलला को ला सकते हैं तो मथुरा और काशी के ज्ञानवापी को भी लाकर दिखाएंगे। राष्ट्र की चिंता एक संत ही कर सकता है। परिवार वाला भक्त नहीं। रेवासा पीठ की दुर्दशा नहीं होने देंगे। रेवासा में जो हुआ वो परंपरा के विरुद्ध है।

संस्कृत विवि की स्थापना 6 दिसम्बर को

रामभद्राचार्य ने कहा कि ये देश गांधी परिवार का नहीं है। ये राष्ट्र हमारा है, सनातनियों का है। विधर्मियों का नहीं है। इस बार कुंभ में कुछ ऐसा करेंगे कि विश्व के नक्शे से पाकिस्तान का नामो-निशान मिट जाएगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम में वो 6 दिसंबर को संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना करेंगे। सभी को आकर देखना चाहिए कि देश की संस्कृति कैसे स्थापित की जाती है। अब सांस्कृतिक आंदोलन होकर रहेगा। भारत में गौ हत्या बंद करवा कर रहेंगे। हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाएंगे। अब हम सत्ता परिवर्तन नहीं चाहते। हमारे प्रधानमंत्री के तौर पर चौथी बार नरेंद्र मोदी ही बनें। ऐसी मेरी इच्छा है।

जयपुर से लगाव सा हो गया है

रामभद्राचार्य ने कहा कि जयपुर से लगाव सा हो गया है। वो जयपुर 2003 में आए थे। इसके बाद 21 सालों तक नहीं आए, इसका खेद है। अब वचन देते हैं कि प्रत्येक वर्ष छोटी काशी आएंगे। वहीं, इस दौरान उन्होंने ताड़का वध और राम विवाह की लीला का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम जब विश्वामित्र के साथ अयोध्या से वन के लिए गए। उस दौरान उन्होंने ताड़का का वध किया। उससे पहले ताड़का ने श्रीराम के सामने कई महिमा मंडन किया। इस पर श्री राम ने ताड़का से कहा था कि संतों को मारने वाले को मारना भी उनका धर्म है।

कुंभ में कुछ ऐसा करेंगे की, पीओके जल्द ही हमारा होगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीराम कथा में बोलते हुए जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने धारा 370 और पाक अधिकृत कश्मीर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि जल्द ही पीओके भी भारत का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि धारा 370 के हटने से वहां शांति आई है और विकास हुआ है। जगद्गुरु ने कहा कि हम ऐसा यज्ञ कर रहे हैं जैसा विश्वामित्र जी ने किया था, जिसमें राजा दशरथ ने विश्वामित्र से राम और लक्ष्मण को मांगा था। हम भारतवासियों से राम-लक्ष्मण नहीं मांग रहे, वे तो मेरे पास हैं। हम सभी भारतवासियों का मन चाहते हैं। भारतवासी मन से यजमान बनकर इस बार कुंभ में ऐसा कुछ कर दें कि पाकिस्तान द्वारा हथियाया गया कश्मीर भी हमें मिल जाए और ऐसी लीला हनुमान जी कर दें कि विश्व के नक्शे से पाकिस्तान का नामोनिशान मिट जाए।

राष्ट्र की चिंता संत करता है

जगद्गुरु ने कहा कि राष्ट्र की चिंता एक संत ही कर सकता है। परिवार वाला व्यक्ति राष्ट्र का चिंतन नहीं कर सकता। गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस राष्ट्र को किसी परिवार विशेष की जकड़न से मुक्त करना ही है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने कश्मीर का बंटवारा कर दिया और आधा कश्मीर पाकिस्तान को सौंप दिया और जो हिस्सा बचा था, उसमें धारा 370 लगा दी।

शंकराचार्य के बयान से दुखी हूं

जगद्गुरु ने ज्योति पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके एक बयान से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। वह व्यक्ति खुद को शंकराचार्य कहता है, लेकिन मैं कहूंगा कि वह शंकराचार्य भी नहीं है, क्योंकि यह मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। उस व्यक्ति ने कहा कि कश्मीर में धारा 370 बहाल की जाए। मैं कहना चाहूंगा कि धारा 370 कोई खिलौना नहीं है जिसे बहाल कर दिया जाए। ऐसे लोगों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

पीओके भी हमारा होगा

धारा 370 पर बोलते हुए जगद्गुरु ने कहा कि देश का शायद ही कोई व्यक्ति हो जो चाहता हो कि कश्मीर में धारा 370 पुनः लागू हो। उन्होंने कहा कि जल्द ही पाक अधिकृत कश्मीर भी हमारा होगा। वे दिन दूर नहीं जब दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान का नामोनिशान मिट जाएगा। धारा 370 के हटने के फायदे बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले कश्मीर में वंदे मातरम नहीं बोल सकते थे, लेकिन आज इसे खुलेआम कहा जा सकता है। पहले कोई व्यक्ति वहां जमीन नहीं खरीद सकता था, लेकिन आज यह संभव है।

मतदान कर्मियों का "दोना-पत्तल में भोजन, घड़े का पानी, और कुल्हड़ में मिलेगी चाय"

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा उपचुनावों में इस बार एक अलग ही नजारा देखने को मिलेगा। एक ऐसा चुनाव, जहां प्लास्टिक नहीं, बल्कि प्रकृति का स्पर्श होगा। मतदान कर्मी इस बार न प्लास्टिक की प्लेटों में खाना खाएंगे, न प्लास्टिक की बोतलों से पानी पिएंगे। राजस्थान का चुनाव इस बार "इको-फ्रेंडली" अंदाज़ में होने जा रहा है, जिसमें दोने-पत्तल पर भोजन, घड़े का पानी और कुल्हड़ में चाय होगी। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में इको-फ्रेंडली चुनाव प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए पूरे आयोजन को प्लास्टिक-मुक्त बनाने की योजना तैयार की गई है। यह पहल न केवल राज्य में बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बनेगी।

5 रोमांचक इको-फ्रेंडली नवाचार

1-पेपर पोस्टरः इस बार चुनावी प्रचार सामग्री की छपाई आवश्यकता होने पर ही कागज पर होगी।
2-ग्रीन और क्लीन सेंटर्सः हर मतदान और मतगणना केंद्र को क्लीन और ग्रीन जोन घोषित किया गया है, जहां तंबाकू उत्पादों का सख्त प्रतिबंध रहेगा।
3-अलग-अलग डस्टबिनः कचरा प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन लगाए जाएंगे।
4-प्लास्टिक-फ्री सेल्फी पॉइंटः मतदान केंद्रों पर प्लास्टिक-फ्री सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे, जहाँ विशेष मतदाता जैसे बुजुर्ग और दिव्यांग पौधारोपण करेंगे।
5-प्लास्टिक-मुक्त प्रचारः उम्मीदवारों को प्लास्टिक-मुक्त चुनाव प्रचार सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

योजना अन्य राज्यों में भी होगी लागू

राजस्थान की इस पहल को जल्द ही अन्य राज्यों में भी लागू करने की योजना बनाई गई है। चुनाव आयोग ने इसे एक बेहतरीन पहल मानते हुए इसे अन्य राज्यों में अपनाने की संभावना व्यक्त की है।

धौलपुर आगार की बस में 38 यात्री पाए गए बिना टिकट, मुख्य प्रबंधक को थमाई चार्ज शीट, निरीक्षक को किया निलंबित

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह के निर्देश पर निगम मुख्यालय द्वारा बसों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान गड़बड़ियां पाई जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। ऐसी ही एक कार्यवाही में धौलपुर आगार की बस में निरीक्षण के दौरान 38 यात्री बिना टिकट पाए गए। बस में बिना टिकट यात्री मिलने को प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने गंभीर मामला मानते हुए धौलपुर आगार के मुख्य प्रबंधक एवं प्रबंधक (यातायात) के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए चार्जशीट थमाई है। वहीं आगार क्षेत्र के निरीक्षक को भी निलंबित किया गया है। साथ ही बस सारथी के विरुद्ध निगम की धनराशि का गबन करने और मशीन लेकर भाग जाने पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

एनआईए कुलपति संजीव शर्मा भूमि पूजन कर किया तैयारियों का शुभारम्भ

आयुर्वेद कुंभ 'संयोजनम्' में जुटेंगे 3000 आयुर्वेद के शोधार्थी, चिकित्सक, शिक्षक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व आयुर्वेद परिषद, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संयोजनम 2024 का आयोजन 15 नवंबर से 17 नवंबर तक किया जाएगा। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विवि) जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने संयोजनम-2024 के आयोजन के लिये बन रहे भव्य पांडाल पर भूमि पूजन कर के तैयारियों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक जे पी शर्मा, प्रोफेसर हरिमोहन मीना, प्रोफेसर पी हेमंता, आयोजन सचिव प्रोफेसर सी आर यादव, संयुक्त सचिव डॉ विपिन तंवर, विश्व आयुर्वेद परिषद के कार्यकर्ता एवं संस्थान के शिक्षक एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ किशोरीलाल शर्मा ने बताया कि 15 से 17 नवंबर तक होने वाले इस राष्ट्रीय कार्यक्रम मे देशभर से लगभग तीन हजार आयुर्वेद विद्वान, शोधार्थी, शिक्षक, चिकित्सक शामिल होंगे। संयोजनम्-2024 का आयोजन विश्व आयुर्वेद परिषद, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर और राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

खाटू श्याम जी मंदिर मार्ग पर भारी भीड़ को देखते हुए निगम ने किया अतिरिक्त डेढ़ सौ बसों का संचालन

» जागरूक जनता @ जयपुर। जन-जन की आस्था के केंद्र खाटू श्याम जी मंदिर में एकादशी मेले की भारी भीड़ को देखते हुए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने मंगलवार को सिंधी कैंप बस स्टैंड से 150 अतिरिक्त बसों का संचालन कर यात्रियों को भारी राहत पहुंचाई। निगम अध्यक्ष शुभ्रा सिंह ने बताया कि मंगलवार को खाटूश्याम जी मार्ग पर अत्यधिक यात्री भार को देखते हुए निगम द्वारा सिंधी कैंप बस स्टैंड से नियमित बस सेवा के साथ लगभग 150 बसों का संचालन किया गया। इस मार्ग पर शेड्यूल की बसों के अलावा यात्री भार के अनुसार अतिरिक्त बसों का संचालन कर यात्रियों को गंतव्य तक रवाना किया गया।

बजट प्रस्तावों के लिए माइनिंग सेक्टर के स्टेक होल्डर्स से लेकर माइंस, भूविज्ञान, पेट्रोलियम के...

फील्ड स्तर तक के अधिकारियों की तय होगी सहभागिता- टी. रविकान्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्री टी. रविकान्त ने आगामी वर्ष के लिए माइंस विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए माइनिंग सेक्टर से जुड़े स्टेक होल्डर्स से लेकर माइंस, भूविज्ञान और पेट्रोलियम क्षेत्र में मुख्यालय से लेकर फील्ड स्तर के अधिकारियों की सहभागिता से तय करने पर जोर दिया है ताकि राज्य सरकार को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभाग द्वारा भेजे जाने वाले बजट प्रस्ताव व्यावहारिक व माइनिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने वाले हो। प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त मंगलवार को खनिज भवन में निदेशक माइंस श्री भगवती प्रसाद कलाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों से वर्चुअली संवाद कायम कर रहे थे। उन्होंने बजट प्रस्तावों को लेकर नई पहल करते हुए फील्ड स्तर पर महसूस किये जाने वाले प्रस्तावों पर मंथन की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर को आगे ले जाना हम सबका ध्येय है तो हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आमजन महसूस करें कि माइनिंग सेक्टर प्रदेश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जागरूक खबरें

1962 मोबाईल वैटरनरी यूनिट एवं कॉल सेंटर सेवाएं आगामी 6 माह के लिए अत्यावश्यक सेवा घोषित

» जागरूक जनता @ जयपुर। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर प्रदेश के पशुपालकों को उनके द्वार पर आपातकालीन पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने वाली 1962 मोबाईल वैटरनरी यूनिट सेवाओं एवं बीएफआईएल द्वारा संचालित कॉल सेंटर के समस्त कार्यालय, कर्मचारियों तथा उसके कार्यकलापों से संबंधित सेवाओं को 8 नवंबर से आगामी 6 माह तक अत्यावश्यक सेवा घोषित किया है। गृह (ग्रुप-9) विभाग की संयुक्त शासन सचिव पूजा पार्थ ने बताया कि इन सेवाओं मे हड़ताल होने के कारण पशुपालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए राजस्थान अत्यावश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम 1970 के तहत आगामी 6 माह तक इन सेवाओं में हड़ताल किए जाने को प्रतिषेध किया गया है।

भाजपा ने उपचुनाव को लेकर बनाया कंट्रोल रूम

» जागरूक जनता @ जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि उपचुनाव को लेकर भाजपा ने प्रदेश स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया है। इसमें प्रदेश स्तरीय टीम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा के नेतृत्व में विमल अग्रवाल और निमिषा गौड़, इसके साथ ही विधि एवं प्रशासनिक टीम में सौरभ सारस्वत, राजेंद्र सिंह शेखावत, योगेन्द्र सिंह तंवर, अशोक शेखावत, अनिल वैष्णव, युधिष्ठिर साहरण, अमित रतनावत, मनोज दीक्षित, सुमन यादव, मुकेश मीणा और कार्तिकेय शुक्ला को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मिला जापान का प्रतिनिधिमण्डल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर जापान से आए प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। शर्मा से प्रतिनिधिमण्डल सदस्यों ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के तहत राज्य में अतिरिक्त निवेश के लिए चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सदस्यों को प्रदेश में निवेश के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया, साथ ही आगामी समिट के लिए आमंत्रित भी किया। प्रतिनिधिमण्डल में जापानी कम्पनी नीडैक (एनआईडीईसी) के अध्यक्ष हिरोशी कोबे, प्रबंध निदेशक कैजी ओशिमा, सलाहकार माशाहिरो मियूरा शामिल रहे।

कांग्रेस वोटबैंक की करती है राजनीति, विकास से कांग्रेस का कोई लेना देना नहीं-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

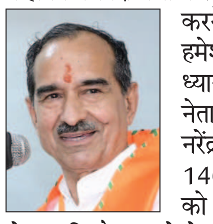

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष क्या कर रहा है, इस पर ध्यान करने की बजाय भाजपा हमेशा अपने कार्यों पर ध्यान देती है। विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 140 करोड देशवासियों को अपना परिवार कहने से आपत्ति है, उनको देशवासियों को संगठित रहने की अपील करने से आपत्ति है और उनको वस्त्र और उसके रंग से भी आपत्ति है तो इससे उनकी विकृत मानसिकता देशवासियों के सामने उजागर हो गई। कांग्रेसी नेताओं को औवेसी के बयानों पर कभी आपत्ति नहीं हुई, वो 15 मिनट पुलिस हटाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते, क्योंकि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति करती है, उसको विकास से कोई लेना देना नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है, इसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को होना तय है। भाजपा ने कभी भी कांग्रेस क्या कर रही है, इस पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास की नीति पर कार्य करते हुए जन कल्याणकारी नीतियां तैयार की। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग, हर समुदाय के लिए योजनाएं बनाई। भाजपा समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता भ्रष्टाचार और घोटालों में संलिप्त पाए जा रहे है। कर्नाटक में कांग्रेसी नेता के 64 ठिकानों पर कमरे नोटों से भरे मिले। कर्नाटक ही नहीं, कांग्रेस शासित प्रदेशों में घोटाले पर घोटाले किए जा रहे है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी गिरेबा में झांक कर देखना चाहिए। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के बजाय कांग्रेसियों को जनहित में काम करना चाहिए।

राजस्थान निवेश के लिए सबसे अनुकूल राज्य-राज्यवर्द्धन

राइजिंग राजस्थान 'आईटी एवं स्टार्टअप प्री-समिट' में 43 कंपनियों के साथ 6052 करोड़ के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

डिजिटल राजस्थान यात्रा को दिखाई झंडी, 145 स्टार्टअप को मिली 5.65 करोड़ की फंडिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान निवेश के लिए देश का सबसे अनुकूल राज्य है। प्रदेश सरकार अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि कंपनियों के साथ सिर्फ एमओयू नहीं किए जाएंगे, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर राज्य का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। कर्नल राठौड़ मंगलवार को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संदर्भ में जयपुर स्थित होटल आईटीसी राजपूताना में 'आईटी और स्टार्टअप प्री-समिट' में बतौर मुख्य अतिथि अपना संबोधन दे रहे थे। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय उद्योग परिसंघ के तत्वावधान में आयोजित हुए इस प्री-समिट में तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में 43 कंपनियों के साथ 6052 करोड़ के निवेश करारों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही डिजिटल राजस्थान यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा और 145 स्टार्टअप को दिए जाने वाले 5.65 करोड़ रुपए की फंडिंग के चेक की प्रतिकृति का अनावरण भी किया गया।

मुख्य सत्र को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है और इसमें निवेश की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस साल में भारत की छवि काफी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के संबंध में जिस भी देश की यात्रा की है, वहां से उन्हें काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने निवेशकों से राजस्थान के आईटी एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि राजस्थान ऐसा राज्य है, जो देश में रेलवे के मामले में दूसरे स्थान पर, सड़क नेटवर्क के मामले में तीसरे स्थान पर है और यहां वर्ष में 320 दिन खुला मौसम रहता है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में जुड़ेगा कैंसर का 73 डे केयर पैकेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना के तहत चिकित्सा पैकेज दरों में वृद्धि की जाएगी। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी (राशा) ने इस दिशा में प्रस्ताव तैयार करना शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत वर्तमान में 1800 से अधिक उपचार पैकेज और इतने ही अस्पताल सूचीबद्ध हैं और इससे 1.33 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इस प्रस्ताव के तहत निजी अस्पतालों से चर्चा की जा रही है, ताकि वे भी इस योजना से जुड़ सकें। गत कांग्रेस सरकार ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत की थी। मौजूदा भाजपा सरकार ने इसका नाम परिवर्तित किया है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में शामिल पैकेजों में कैंसर के इलाज के लिए 73 डे केयर पैकेज और शिशुओं तथा बच्चों के इलाज के लिए नए पैकेज जोड़े गए हैं।

निजी अस्पतालों का रुख और नई दरों की उम्मीद

कांग्रेस सरकार की ओर से शुरू की गई इस योजना को लेकर राज्य सरकार और निजी अस्पतालों के बीच पैकेज दरों को लेकर विवाद चलता आ रहा है। बड़े निजी अस्पतालों ने राज्य सरकार की ओर से निर्धारित दरों को लेकर असंतोष व्यक्त किया है, क्योंकि उनका कहना है कि इन दरों पर उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना संभव नहीं है। नई दरों के प्रस्ताव से अगर निजी अस्पताल संतुष्ट होते हैं, तो संभावना है कि वे इस योजना से जुड़ने को तैयार होंगे।

पैकेज दरों को बनाया जाएगा तर्क संगत

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पैकेज दरों को तर्क संगत बनाया जाएगा। विशेषज्ञ समिति के निष्कर्षों और स्टेक होल्डर्स से चर्चा करने के बाद नई दरें लागू की जाएंगी।

-प्रियंका गोस्वामी, सीईओ, स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी

श्री बाबा बालक सेवा संस्थान ने किया कन्यादान में सहयोग

» जागरूक जनता @ जयपुर। श्री बाबा बालक सेवा संस्थान ने स्वाति (गुड्डू) निवासी जयसिंह पूरा खोर के कन्यादान में सहयोग किया गया। संस्था के मुख्य संरक्षक बालमुकुंद आचार्य विधायक हवामहल के सानिध्य में उमेश गुप्ता, संरक्षक मीनाक्षी गुप्ता, एन.के गुप्ता (सोनु), मदन यादव, मोहित अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, अशोक शर्मा, अमित जीवनानी, रजनी दिनेश माथुर, विनोद जैन, कीर्ति माथुर, नम्रता माथुर, रंजना माथुर, सीमा शर्मा, शनाया शर्मा, डॉ सुनील दंड, अर्चना शाह ने सहयोग प्रदान किया। इसमें 51000 हज़ार तथा कपड़े और अन्य सामग्री लड़की के निवास स्थान पर मुख्य संरक्षक बाल मुकुंदआचार्यजी द्वारा दी गई।

अवैध खननः 2 जेसीबी, तीन डंपर, 1 कंप्रेसर व ट्रेक्टर ट्रॉली की जब्ती

» जागरूक जनता @ जयपुर। माइनिंग विभाग जयपुर की टीम ने गोपनीय तरीके से अवैध खनन के खिलाफ कानोता के पास हरडी हरध्यानपुरा में आज मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। एसएमई जयपुर विजिलेंस प्रताप मीणा, एसएमई जयपुर एनएस शक्तावत के निर्देशन में जयपुर एमई श्री श्याम कापडी की टीम ने चाकचोबंद व्यवस्था कर हरडी हरध्यानपुरा में अवैध खनन में प्रयोग हो रही दो जेसीबी मशीन, 3 डंपर, एक कंप्रेसर मशीन और एक ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त की है। कार्रवाई के लिए टीम सरकारी वाहनों के स्थान पर डंपर में बैठकर गई और किसी को कार्रवाई से पहले जानकारी नहीं होने दी। प्रमुख शासन सचिव माइंस टी. रविकान्त के निर्देशन में अवैध खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। एमई जयपुर श्री श्याम कापड़ी ने बताया कि टीम की गोपनीय कार्रवाई से मौके पर ही मशीनरी सहित वाहनों आदि को इधर उधर होने से पहले ही जब्ती की कार्रवाई संभव हो पाई। उन्होंने बताया कि जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी भी समीक्षा बैठकों के दौरान अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाईयों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं।

आज वीसी के जरिए प्रदेश के 3 रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को बड़ी राहत देंगे मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को सस्ती दरों में दवा मिल सके, इसके लिए प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। भगत की कोठी (जोधपुर) के बाद अब दुर्गापुरा (जयपुर), फालना व बाड़मेर के रेलवे स्टेशन पर भी यह सुविधा शुरू होगी।

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के दरभंगा से वीसी के जरिए उद्घाटन कर इसकी शुरुआत करेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार देशभर में 18 रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र का उद्घाटन करेंगे। इसमें राजस्थान के तीन स्टेशन दुर्गापुरा (जयपुर), फालना व बाड़मेर स्टेशन शामिल हैं। उनके अलावा गुजरात, त्रिपुरा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व तमिलनाडु के भी स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर उद्घाटन कार्यक्रम भी होंगे। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अलावा रेलवे अधिकारी, कर्मचारी व आमजन शामिल होंगे। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना के तहत चिकित्सा पैकेज दरों में वृद्धि की जाएगी। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी (राशा) ने इस दिशा में प्रस्ताव तैयार करना शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत वर्तमान में 1800 से अधिक उपचार पैकेज और इतने ही अस्पताल सूचीबद्ध हैं और इससे 1.33 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

लोड एक्सटेंशन, मीटर टेस्टिंग, साइट वेरीफेकिशन के लिए, अब अलग-अलग फाइल लगाने की नहीं होगी जरूरत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में रूफ टॉप सोलर कनेक्शन देने के काम को त्वरित एवं सुगम बनाने के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसमें आवेदकों तथा वेंडर्स के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को कम करने के साथ ही डिस्कॉम के स्तर पर किए जाने वाले कामों को ऑनलाइन किया जा रहा है। जिससे लोड बढ़ाने, मीटर टेस्टिंग, साइट वेरीफिकेशन जैसे कामों के लिए आवेदक को कार्यालय जाने और अलग-अलग फाइल लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि पूर्व में आवेदकों तथा वेंडर्स को संबंधित प्रक्रियाओं तथा दस्तावेज की पूर्ति के लिए सब डिवीजन कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ते थे। अब इनसे संबंधित कार्यों को ऑनलाइन किया जा रहा है। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बताया कि डिस्कॉम्स के एनसीएमएस मॉडयूल में पीएम सूर्यघर से संबंधित मैन्यू का ऑप्शन विकसित किया गया है। जिसके जरिए पीएम सूर्यघर योजना में आवेदकों के 10 किलोवाट भार से संबंधित कनेक्शन तत्परता से ऑनलाइन जारी किए जा सकेंगे। आवेदित एसपीवी की क्षमता स्वीकृत लोड से अधिक होने पर आवेदक को अब भार वृद्धि के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। लोड एक्सटेंशन, सिंगल फेज से थ्री फेज में कन्वर्ट कराने का काम अब रूफ टॉप सोलर तथा नेट और सोलर मीटर स्थापित करते समय किया जा सकेगा। आवेदक को इसके लिए अलग से फाइल लगाने तथा डिमांड नोट के साथ बढी हुई सिक्योरिटी राशि जमा करने की आवश्यकता अब नहीं होगी। आवेदकों को टेस्टिंग के लिए मीटर जमा कराते समय मीटर टेस्टिंग शुल्क और आवेदन शुल्क नहीं देना होगा। डिमांड नोट राशि, मीटर टेस्टिंग फीस और अन्य देय चार्जेज अब उन्हें इंस्टालेशन रिपोर्ट से पूर्व ही जमा कराने होंगे। इंस्टालेशन रिपोर्ट प्राप्त होने के साथ ही पोर्टल पर सभी दस्तावेज अपलोड करने, डिमांड नोट फीस, मीटर परीक्षण शुल्क तथा अन्य देय चार्जेज जमा कराते ही कंज्यूमर शाखा के क्लर्क द्वारा मीटर कनेक्शन ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा और संबंधित कनिष्ठ अभियंता को रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए ऑनलाइन अग्रेषित कर दिया जाएगा। सुश्री डोगरा ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना में आवेदकों के लिए अब अलग से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। इसी तरह वेंडर सर्किल कार्यालयों में न्यूनतम 10 नेट मीटर तथा सोलर मीटर जमा करा सकेंगे। अधीक्षण अभियंता इन मीटरों को यथाशीघ्र परीक्षण के लिए लैब में भेज सकेंगे तथा परीक्षण के बाद मांग के अनुरूप मीटरों को सहायक अभियंता कार्यालयों को उपलब्ध

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

निजी पूंजी जुटाना चुनौतिपूर्ण

अजरबैजान की राजधानी बाकू में आगामी 11 से 22 नवंबर के बीच आयोजित होने जा रहे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन (कॉप29) में जलवायु वित्त तथा इसके लिए राशि जुटाना वार्ताकारों के बीच प्रमुख विषय होगा। विभिन्न देश, खासकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश जलवायु वित्त के मामले में करीब 800 अरब डॉलर की कमी का सामना कर रहे हैं और महामारी के कारण सार्वजनिक फंडिंग में भारी कमी आई है। ऐसे में नीति निर्माता और जलवायु कार्यकर्ता शिद्दत से ऐसे तरीके तलाश कर रहे हैं जिससे निजी क्षेत्र की फंडिंग जुटाई जा सके। यह बात और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है क्योंकि यह माना जा रहा है कि विकासशील देश, जो इस वित्त के मुख्य लाभार्थी होंगे (क्योंकि उनका विकास जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है) और उन्हें 2030 तक 5.9 लाख करोड़ डॉलर की आवश्यकता होगी। बहरहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि निजी वित्त इस भारी-भरकम राशि के बड़े हिस्से की भरपाई करने में शीर्ष भूमिका निभा भी पाएगा या नहीं। अब तक की बात करें तो जलवायु वित्त में निजी क्षेत्र की भागीदारी देखकर ऐसा नहीं लगता है कि हरित और ईएसजी फंड में इजाफा होने के बावजूद वर्तमान हालात में कुछ खास परिवर्तन आएगा। वर्ष 2022 तक जलवायु वित्त के क्षेत्र में जो भी फंड जुटाए गए उनमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 20 फीसदी रही। फंडिंग के इस स्रोत को बढ़ावा देने के लिए कई मोर्चों पर मौजूद चुनौतियों से निपटना होगा। जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की फंडिंग का अब तक का रुझान यही बताता है कि विकासशील देशों की जोखिम अवधारणाएं और आर्थिक एवं निवेश नीतियों की दक्षता, निजी निवेशकों के निर्णयों में अहम भूमिका निभाएगा।

जलवायु वित्त के क्षेत्र में निजी पूंजी का बड़ा हिस्सा यानी करीब 81 फीसदी हिस्सा जलवायु परिवर्तन को रोकने पर केंद्रित था। जलवायु परिवर्तन को अपनाने के क्षेत्र में 11 फीसदी राशि दी गई। यह विडंबना ही है कि इसका अधिकांश हिस्सा विकसित देशों को गया। महत्त्वपूर्ण बात है कि निजी क्षेत्र से आने वाली 85 फीसदी पूंजी सबसे कम जोखिम प्रोफाइल वाले विकासशील देशों पर केंद्रित रही। कम आय वाले देश जहां इस पूंजी की जरूरत अधिक थी उन्हें केवल 15 फीसदी राशि मिली। कुछ विश्लेषकों के अनुसार मुद्दे की मूल वजह है निवेश के लिए तैयार परियोजनाओं की कमी। परंतु इस परियोजना पाइपलाइन को तैयार करने में सरकारी और बहुराष्ट्रीय संस्थानों के समर्थन की अहम भूमिका होगी जिनकी मदद से जोखिम कम किया जा सकेगा और प्रतिफल और निर्गम पर नजर रखी जा सकेगी। उदाहरण के लिए भारत जैसे देशों में यह कवायद दिक्कतदेह बन जाती है क्योंकि बिजली की कीमतें तय करने के मॉडल में दीर्घकालिक ढांचागत कमियां हैं और नवीकरणीय ऊर्जा के वितरण एवं पारेषण के साथ तकनीकी दिक्कतें जुड़ी हुई हैं। आंकड़ों की कमी और अविकसित वित्तीय बाजार भी निजी क्षेत्र के निवेश को बाधित करते हैं।

जर्नल नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित इस नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 72 देशों के जनगणना संबंधी आंकड़ों का का विश्लेषण किया है, ताकि यह समझा जा सके कि सूखे जैसे पर्यावरण से जुड़े तनाव देशों की सीमाओं के भीतर लोगों के प्रवास को कैसे प्रभावित करते हैं।

किसानों को देश में 'परदेसी' बना रहा जलवायु परिवर्तन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जलवायु परिवर्तन से कृषि पर विशेष रूप से बुरा असर पड़ता है। बढ़ते तापमान, भारी वर्षा, सूखा, तूफान और चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि का कृषि उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। दुनिया के कुछ हिस्सों में, फसल की पैदावार पहले से ही कम हो रही है। कृषि को नई जलवायु परिस्थितियों के अनुसार यथासंभव प्रभावी रूप से अनुकूलित होना चाहिए, उदाहरण के लिए, सिंचाई को अधिक कुशल बनाकर, खेती प्रणालियों में विविधता लाकर और सूखा प्रतिरोधी प्रजातियों या किस्मों का चयन करके जो किसी विशेष स्थान के लिए अधिक उपयुक्त हों।

भारत जैसे देशों को भी जलवायु परिवर्तन बुरी तरह प्रभावित कर रहा है. सर्दी, गर्मी और बारिश तीनों ही मौसमों में अस्थिरता के चलते खेती किसानी अब लाभ का सौदा नहीं रही. देश में लोग लम्बे समय से खेती-बाड़ी छोड़ शहरों की ओर पलायन करते रहे हैं। हालांकि इस पलायन के पीछे की बड़ी वजह जीविका के बेहतर अवसर और शहरी चकाचौंध रहे हैं, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। वहीं कृषि में घटता उत्पादन और बढ़ता रिस्क भी है. भारत में गांवों से शहरों की ओर पलायन की दर पिछले एक दशक में तीन गुनी हो गई है। इन सबके बीच जलवायु परिवर्तन भी प्रभावित आबादी को अपने देश में ही दूसरे क्षेत्रों की ओर पलायन करने को मजबूर कर रहा है। इसका प्रभाव विशेषरूप से कृषि पर निर्भर ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं ज्यादा स्पष्ट है, जहां जीविका जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील है।

पिछले एक दशक में जलवायु परिवर्तन की वजह से प्रवासन पर पड़ने वाले प्रभावों ने आम जनता और नीति निर्माताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसी दिशा में इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस (आईआईएएसए) से जुड़े शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक नया अध्ययन किया है। यह अध्ययन इस बात का पहला विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है कि कैसे सूखा और शुष्कता आंतरिक प्रवास को प्रभावित करते हैं। देखा जाए तो अक्सर इस विषय में होने वाली चर्चाएं अंतर्राष्ट्रीय प्रवास पर केंद्रित होती हैं, लेकिन इस नए अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से लोग अक्सर अपने ही देश के आसपास के इलाकों में चले जाते हैं। मतलब की इस तरह का प्रवास देशों की सीमाओं के भीतर छोटी यात्राओं के रूप में भी होता है।

> मूहों के बीच पलायन के पैटर्न भी अलग-अलग होते हैं। जहां कमजोर देशों में जिन युवाओं ने थोड़ी बहुत शिक्षा हासिल की है उनके सूखे की वजह से पलायन की आशंका ज्यादा होती है। वहीं दूसरी तरफ समृद्ध देशों में बुजुर्गों के पलायन की आशंका कहीं ज्यादा होती है।

जर्नल नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित इस नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 72 देशों के जनगणना संबंधी आंकड़ों का का विश्लेषण किया है, ताकि यह समझा जा सके कि सूखे जैसे पर्यावरण से जुड़े तनाव देशों की सीमाओं के भीतर लोगों के प्रवास को कैसे प्रभावित करते हैं।शोधकर्ताओं के मुताबिक जब सूखा और शुष्क परिस्थितियां गहराती हैं तो लोग देश के भीतर ही अपने घरों को छोड़ दूसरे क्षेत्रों की ओर ज्यादा पलायन करते हैं। खासकर जो क्षेत्र बेहद शुष्क होते हैं, वहां इस तरह का पलायन बेहद आम होता है।

ग्रामीण, कृषि पर निर्भर क्षेत्रों में आम है इस तरह का पलायन

अध्ययन से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता रोमन हॉफमैन ने के हवाले से मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों में कहा है कि, "इस तरह का पलायन ग्रामीण और कृषि प्रधान क्षेत्रों में बेहद स्पष्ट होता है, जहां लोगों की जीविका बदलती जलवायु परिस्थितियों के प्रति बेहद संवेदनशील होती हैं।" उनके मुताबिक इनमें से कई प्रवासी शहरों की ओर रूख करते हैं, जिससे कई देशों में शहरी विकास में तेजी आती है। अध्ययन से पता चला है कि सूखे और शुष्क परिस्थितियों का सबसे ज्यादा असर अफ्रीका, मध्य पूर्व, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण एशिया और दक्षिणी यूरोप जैसे क्षेत्रों पर पड़ता है। ये क्षेत्र काफी हद तक कृषि पर निर्भर हैं और जलवायु पहले से ही शुष्क है। इन क्षेत्रों में आर्थिक कठिनाई और पर्यावरणीय चुनौतियों के मिश्रित प्रभावों के चलते लोगों के पलायन की आशंका कहीं ज्यादा होती है।

नतीजे दर्शाते हैं कि लोग समृद्ध क्षेत्रों की ओर ज्यादा रूख करते हैं, जहां पलायन करना आसान होता है। देशों के भीतर, जलवायु की मार झेलने के बाद कमजोर और गरीब इलाकों से ज्यादा लोग समृद्ध क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं।

अध्ययन में यह भी सामने आया है कि समूहों के बीच पलायन के पैटर्न भी अलग-अलग होते हैं। जहां कमजोर देशों में जिन युवाओं ने थोड़ी बहुत शिक्षा हासिल की है उनके सूखे की वजह से पलायन की आशंका ज्यादा होती है। वहीं दूसरी तरफ समृद्ध देशों में बुजुर्गों के पलायन की आशंका कहीं ज्यादा होती है।

इस बारे में आईआईएएसए के माइग्रेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिसर्च ग्रुप के शोधकर्ता गाय एबेल ने एक रिपोर्ट जानकारी देते हुए कहा है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से सूखे और पानी की कमी बढ़ रही है, इसकी वजह से ज्यादा से ज्यादा लोगों पर बेहतर जीवन की तलाश में पलायन का दबाव बढ़ेगा। यह अध्ययन ऐसी नीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है जो पलायन के कारणों और लोगों के गंतव्य स्थानों पर पड़ने वाले प्रभाव दोनों को संबोधित करती हो।"

उनके मुताबिक पर्याप्त बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सहायता प्रणालियां उन शहरी क्षेत्रों के लिए बेहद मायने रखती हैं, जहां जलवायु परिवर्तन की वजह से आने वाले प्रवासियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अध्ययन में उस कमजोर आबादी को सहायता देने पर भी जोर दिया है जो खास तौर पर साधनों की कमी के चलते पलायन नहीं कर सके। इसी तरह ऐसी नीतियां जो इन क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करती हैं, सामाजिक सहायता प्रदान करती हैं वो प्रभावित समुदायों को जलवायु से जुड़ी इन परिस्थितियों से निपटने में मदद कर सकती हैं। यह नीतियां न केवल जबरन पलायन और विस्थापन को कम करने में मदद कर सकती हैं, साथ ही उन लोगों के लिए भी मददगार हो सकती हैं जो पीछे छूट गए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

'पतली गली से 'पॉजिटिविज्म' की ठौर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मनमोहन हर्ष
स्वतंत्रण टिप्पणीकार
@jagrukjanta.net

हटकरजी' की महिमा और शानो-शौकत पर 'छींटाकशी' की आदत से हम लाचार है। पर आज के एपिसोड में इसे तजकर हम सीधे मुद्दे पर आना चाहते है, क्योंकि बात बहुत ही सीरियस हो चली है। जब हम कई-कई दिन तक 'हटकरजी' के दर पर मत्था टेकने नहीं जाते तो हमें बुलाने के लिए वे संदेशे भेजते रहते है। मगर इस बार तो जिस अंदाज में 'हटकरजी' ने हमें दरबार में 'लाइन हाजिर' होने का फरमान भेजा उससे तो अपुन की सांसे ही ऊपर-नीचे होने लगी। 'हटकरजी' के एक खास हलकारे ने इतवार के रोज सुबह-सुबह ही बाकायदा राजा-महाराजाओं के जमाने वाले सीन की माफिक 'डंडे पर लिपटे, कपड़े में खुदे' उनके फरमान के साथ हमारे 'गरीबखाने' की 'सांकल' खटखटाई। हम उनींदे से उठे और दरवाजे पर 'हटकरजी' के उस 'दमदूत' को देखकर सकपकाते हुए कांपने के कगार पर पहुंच गए। हलकारे ने 'हटकरजी' का फरमान जो किसी 'गैरजमानती वारंट' की मानिंद था, पढ़कर सुनाया कि आज ही दोपहर को ठीक बारह बजे हम बिना किसी बहाने और 'चूं-चपड़' के उनके दरबार में हाजिर हो। 'हटकरजी' ने जिस प्रकार छुट्टी के रोज बारह बजे का टाइम सिलेक्ट किया, उससे हमे अंदेशा होने लगा कि अब तो अपुन की 'बारह बजना' तय है। हम 'नाचीज' से ऐसी क्या गुस्ताखी हो गई है कि 'इतिहास में पहली बार' ऐसे खौफनाक अंदाज में मुनादी करते हुए एक हलकारे के साथ 'हटकरजी' ने हमको 'सम्मन' भेजा है। 'हटकरजी' के हलकारे को 'बाइज्जत' विदा करने के बाद चाय की चुस्कियों से बढ़ती टेंशन को 'काफूर करने' की नाकाम कोशिशों के बीच हम गुजिस्तां दिनों के घटनाक्रम को 'रिकॉल' कर ये सोचने लगे कि आखिरकार ऐसा क्या अपराध हो गया है कि 'हटकरजी' ने ऐसा विकराल रूप अख्तियार कर लिया। ईश कृपा से हमें याद आया कि कुछ रोज पहले एक 'सम्पादकजी' ने 'हटकरजी' पर अपुन के व्यंग्य कॉलम में सब जगह उनका नाम 'हटकरजी' की बजाय डटकरजी छापने की भारी भूल कर दी थी। अब हम तो 'हटकरजी' की रग-रग जानते है और उनको काबू में रखने के लिए विद्वान ज्योतिषियों के परामर्श से निकलने वाली रिसर्च के आधार पर कई टोने-टोटके और 'रेमेडीज' आजमाते रहते हैं। ऐसा ही एक जंतर हम जो अक्सर काम में लेते है वह यह है कि हम 'हटकरजी' का नाम सदा 'इन्वर्टेड कोमा' में ही लिखते है, जिससे वे हमारे शिकंजे में रहे। मगर अब 'सम्पादकजी' को क्या पता कि जाने-अनजाने में उन्होंने या फिर उनकी टीम ने कितनी भारी भूल और चूक कर दी है। एक तो 'हटकरजी' को डटकरजी बना दिया और तिस पर हमारा व्यंग्य छापते समय वे 'इन्वर्टेड कोमा' भी खा गए। 'हटकरजी' जैसे शहंशाह के नाम से छेड़खानी और फिर शेर को 'इन्वर्टेड कोमा' के पिंजरे से आजाद करने की कीमत तो अब चुकानी ही पड़ेगी। हमने अपनी खाल बचाने के लिए सोचा कि 'सम्पादकजी' को अपनी ढाल बनाकर साथ में ले चले और अगर बात ज्यादा बढ़ गई तो उनको 'हटकरजी' के सामने पेश करके घटनाक्रम का सिलसिलेवार खुलासा कर खुद को निर्दोष साबित कर देंगे। मगर हाय री किस्मत, 'हटकरजी' के सम्मुख पेश होने की डेडलाइन के करीब आते-आते हमने बीसियों बार 'सम्पादकजी' को कॉल किया, मगर उनका फोन कभी 'स्विच ऑफ' और कभी 'नॉट रीचेबल' निकला। 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्य-नमस्तस्य नमो नमः...' का पाठ मन में दोहराते हुए माता को मनाते हुए हम अकेले ही चल दिए 'हटकरजी' की अदालत में पेशी पर। हॉट सीट पर बैठे 'हटकरजी' हमेशा की तरह 'चेलेचांटियों' से घिरे प्रवचनों का मायाजाल बिखेर रहे थे। हम मुजरिम की मानिंद दबे पांव पहुंचे और चुपके से कोने में दुबक कर बैठ गए। 'हटकरजी' ने सेकंड के सौवें हिस्से में ही हमारी आमद को नोटिस करते हुए सीधे 'रैडार' पर ले लिया। खुले दरबार में मौजूद लोगों की निगाहे हम पर और 'हटकरजी' के 'न्याय' पर जा टिकी। 'हटकरजी' सिंहासन से उठे, हौले-हौल कदम बढ़ाते हुए उस कटघरे तक पहुंचे जहां हम गर्दन झुकाए, मुंह लटकाए और हाथ आगे की ओर बांधे खड़े थे। मन ही मन 'सम्पादकजी' को कोसते हुए 'हटकरजी' के वज्र प्रहार से बचाने के लिए वाहे गुरू से अरदास कर रहे थे। 'हटकरजी' ने हमारी ठोडी को अपनी चार अंगुलियों से सहारा देते हुए लटकी हुई गर्दन को ऊपर की ओर झटके के साथ धकेला। फिर गरजते हुए कहा कि ''सुना है हमारी 'किस्सागोई' और 'बातपोशी' से खिलवाड़ करते हुए अब तुम मेरे नाम से भी 'खेला' करने लगे हो। खैर कोई हमको 'हटकरजी' कहे या 'डटकरजी' हमें क्या फर्क पड़ता है। अरे 'नाम' में क्या रखा है, सदा वास्ता 'काम' से रखो। नीली छतरी वाले के दरबार में 'कर्म' की क्वालिटी ही काउंट होती है। हम तो सदा से ही डटकर मैदान में उतरते है और हमें दुनियां में रोजमर्रा के सफर में जो-जो नजारा और मंजर दिखाई देता है, उस पर बिना किसी लाग-लपेट के विधाता जैसी 'उखत' (समझ या बुद्धि) देता है, उसी के अनुरूप 'डटकर' और 'जमकर' टीका करते है और करते रहेंगे।'' 'हटकरजी' के उद्गारों ने हमें भाव विह्वल कर दिया। हमें लगा कि 'हटकरजी' इस मोड़ पर भी हम जैसे नुगरों को ये सिखा गए कि जब कोई पीठ पीछे किसी के नाम और काम के साथ लगातार खिलवाड़ करे तो भी पतली गली से 'पॉजिटिविज्म' की ठौर पकड़कर कैसे 'राह पकड़ तू एक चलाचल, पा जाएगा मधुशाला...' के मंत्र संग अपने सफर को निर्बाध जारी रखा जा सकता है। अब आप हमारी इन पंक्तियों में रचे 'शब्दों के भ्रमजाल' में फंसकर हमको कतई सीरियस मत मान लेना। हम तो 'हटकरजी' के नाम की खाने और कभी-कभार रंगे हाथो पकड़े जाने पर शब्दों के जाल से 'टेम्परेरीली' घड़ियाली टपकाने में माहिर है। रही बात 'सम्पादकजी' की तो उनको अपुन की नेक सलाह है कि वे अब अपनी खींचे और अपनी ओढ़े।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

सर्वव्यापी काल ईश्वर की ही मूर्ति है। काल की प्रेरणा से जैसे वृक्षों में फल लगते, ठहरते, बढ़ते पकते क्षीण होते और नष्ट हो जाते हैं। वैसे ही जन्म, अस्तित्व, अनुभूति, वृद्धि, परिणाम, क्षय और विनाश (मृत्यु) ये 6 भाव विकार शरीर में ही देखे जाते हैं। आत्मा से इनका कोई संबंध नहीं है। आत्म तत्व को जानने वाले पुरुष को चाहिए कि शरीर आदि में अज्ञान के कारण जो मैं और मेरा का झूठा भाव हो रहा है उसे छोड़ दे। जिस प्रकार सोने की खान में पत्थर में मिले हुए सोने को विधि जानने वाला स्वर्णकार उसे प्राप्त कर लेता है वैसे ही तत्व ज्ञानी पुरुष आत्म प्राप्ति के उपायों द्वारा (साधन भक्ति ज्ञान वैराग्य आदि) अपने शरीर रूप क्षेत्र में ही ब्रह्म पद को पा लेता है अर्थात् दर्शन कर लेता है। देह में अन्तःकरण इन्द्रिय आदि वस्तुओं का 'यह आत्मा नहीं है' इस प्रकार बोध करते हुए आत्मा को जानना चाहिए। आत्मा सब में अनुगत है पर वह है सबसे अलग इस प्रकार शुद्ध बुद्धि से धीरे-धीरे संसार की उत्पत्ति स्थिति ता उसके प्रलय पर विचार करना चाहिए। जाग्रत स्वप्न सुषुप्ति ये तीनों बुद्धि की वृत्तियां हैं। इनका जिसके द्वारा अनुभव होता है वही सबसे अतीत सब का साक्षी आत्मा है। जैसे गंध से उसके आश्रय वायु का ज्ञान होता है वैसे ही बुद्धि की इन बदलने वाली तीनों अवस्थाओं द्वारा इनमें साक्षी रूप से अनुगत आत्मा को जानना चाहिए। **क्रमशः**

ओपिनियन

एमएसपी से किसानों को भरोसा देने की कोशिश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हाल ही में केंद्र सरकार ने छह रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है। यह वृद्धि न्यूनतम 130 रुपए एवं अधिकतम तीन सौ रुपए प्रति क्विंटल है। गेहूं के एमएसपी में 150 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि कर 2425 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सबसे ज्यादा वृद्धि रेपसीड और सरसों के दाम में हुई है। इसमें प्रति क्विंटल तीन सौ रुपए बढ़ाया गया है। इसी तरह मसूर के दाम में 275 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। सरकारी दर पर रबी फसलों की खरीद-बिक्री का सत्र अप्रैल, 2025 से शुरू होगा। खास बात यह है कि अधिकतर फसलों की एमएसपी अब लागत के लगभग डेढ़ गुना हो चुकी है, जिसकी मांग किसानों की ओर से लगातार हो रही थी। सरकार की ओर से एमएसपी में अब तक 23 फसलों को शामिल किया जा चुका है। असल में एमएसपी बढ़ाने को लेकर किसान लगातार आंदोलन करते रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या इस बार एमएसपी बढ़ने से अगली बार आंदोलन नहीं होगा! सबसे पहले एमएसपी को समझने की कोशिश करते हैं। एमएसपी सरकार द्वारा किसानों से तय दर पर फसल खरीदने की गारंटी है। इसका मकसद किसानों को उनकी फसल पर कम से कम एक निश्चित राशि देना है। एमएसपी की वजह से किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलती है। एमएसपी की शुरुआत साल 1967 में हुई थी। एमएसपी तय करने के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता है। सीएसीपी उत्पादन लागत, बाजार के रुझान और मांग-आपूर्ति के हिसाब से एमएसपी तय करता है। एमएसपी की गणना के लिए सीएसीपी खेती की लागत को तीन हिस्सों में बांटता है। इसमें फसल उत्पादन के लिए किसानों के नकदी खर्च के साथ-साथ पारिवारिक श्रम का भी हिसाब लगाया जाता है। एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों को लाभकारी मूल्य मिलता है और फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलता है।

> **एमएसपी की कानूनी गारंटी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बाजारी मुद्रास्फीति को भी नियंत्रित करेगी, जिससे किसानों को शोषण से बचाया जा सकेगा। उन्हें बिचौलियों, कमीशन एजेंटों और सरकारी अधिकारियों पर निर्भरता से भी बचाना होगा।**

एमएसपी को लेकर किसानों ने कई आंदोलन किए। वे हर फसल की एमएसपी खरीद की मांग कर रहे हैं। इसके लिए वे लगभग सभी फसलों की एक सूची सरकार को सौंप चुके हैं। किसान संगठन कहते हैं कि सरकार फसलों के विविधीकरण पर जोर दे रही है, लेकिन ये सरकार के रुख पर निर्भर करता है। किसान चाहते हैं कि सरकार तमाम फसलों के एमएसपी की गारंटी दें। अगर सरकार ये गारंटी देती है, तो फसलों का विविधीकरण अपने-आप हो जाएगा। अगर दलहन और तिलहन बेचने से किसान को ज्यादा मुनाफा होगा, तो वो धान और गेहूं क्यों पैदा करेगा। सरकार और इस देश के बुद्धिजीवी चाहते हैं कि फसलों का विविधीकरण हो। ये अच्छी बात है, लेकिन किसानों को ये गारंटी तो मिले कि उसकी फसलें एमएसपी पर बिकेंगी।

एमएसपी पर केंद्र सरकार का तर्क है कि इससे किसानों की आय बढ़ेगी। इस पर किसान नेताओं का कहना है कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार के कई उपाय हो सकते हैं। इसमें एक है मूल्य स्थिरता कोष का गठन यानी कि जब फसलों की बाजार कीमत एमएसपी से नीचे चली जाए, तो सरकार इसकी भरपाई करे। वहीं किसानों को धान-गेहूं की फसल की बजाय ज्यादा कीमत देने वाली फसलों को पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। किसानों को फल, सब्जी, मवेशी और मछली पालन के लिए बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की आड़ में किसानों को कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। ये कंपनियां कॉन्ट्रैक्ट तोड़ देती हैं और किसानों को घाटा उठाना पड़ता है। इससे किसान कर्ज में डूब जाता है और कई मामलों में आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाता है। वहीं कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि एमएसपी व्यवस्था का दबदबा इस सेक्टर में इनोवेशन को हतोत्साहित करेगा। इससे किसान सरकारी व्यवस्था पर निर्भर होकर रह जाएंगे और जोखिम लेने से डरेंगे, इसलिए किसानों को चावल-गेहूं की एमएसपी खरीद के चक्र से छुटकारा दिलाने की जरूरत है। एमएसपी की कानूनी गारंटी किसानों का अहित करेगी। उनका दावा है कि अगर स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक फसलों के दाम बढ़ेंगे, तो खाद्य वस्तुओं के दाम 25 से 30 फीसदी बढ़ जाएंगे और सरकार के लिए महंगाई नियंत्रण बेहद कठिन हो जाएगा।

जागरूक जनता Selfie विद सिस्टर

श्रवण सिंह छोटी बहन हैप्पी प्रतापगढ़ अलवर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

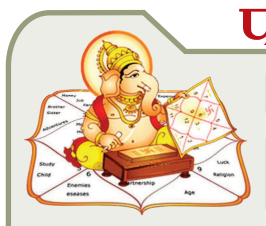

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/11/2024

सूर्योदय : 06:49 **सूर्यास्त** : 17:32 **चन्द्रोदय** : 15:41 **चन्द्रास्त** : 03:39 **शक सम्वत** : 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : कार्तिक**सूर्य राशि** : तुला **चन्द्र राशि** : मीन **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : द्वादशी, 12:59 तक **वार** : बुधवार **चन्द्रमास कार्तिक** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2081 पिङ्गल **कार्तिक** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2081 नल

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : रेवती, 05:56 तक
योग : वज्र, 15:18 तक
प्रथम करण : बालवा, 12:59 तक
द्वितीय करण : कौवाला, 23:21 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:55 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:43 ए एम से
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:29 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:29 पी एम से
अमृत काल	12:28 ए एम, नवम्बर 12 से
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से
रवि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : पूर्व में
राहु काल वास उत्तर-पश्चिम में
नक्षत्र शूल : दक्षिण
कुंभ चक्रः दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:48 - 08:08	उद्वेग : 17:31 - 19:11
अमृत	: 08:08 - 09:29	शुभ : 19:11 - 20:51
काल काल वेला	: 09:29 - 10:49	अमृत : 20:51 - 22:30
शुभ	: 10:49 - 12:10	चर : 22:30 - 00:10
रोग वार वेला	: 12:10 - 13:30	रोग : 00:10 - 01:50
उद्वेग	: 13:30 - 14:51	काल : 01:50 - 03:29
चर	: 14:51 - 16:11	लाभ : 03:29 - 05:09
लाभ	: 16:11 - 17:31	उद्वेग : 05:09 - 06:49

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, शुक्ल, द्वादशी, 2081 बुधवार, 13 नवम्बर - 19 नवम्बर, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

'ड्रीम भारत' थीम पर मनाया गोडशिप एकेडमी ने 10वां वार्षिकोत्सव

हमारी संस्कृति की पुनर्स्थापना जरूरी-संगीता भोवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गोडशिप एकेडमी ने अपना 10वां वार्षिकोत्सव बिड़ला ऑडिटोरियम में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस. सेंगथिर आईपीएस एडिशनल डायरेक्टर जनरल पुलिस राजस्थान थे। वहीं बी.एल. सोनी कवि एवं साहित्यकार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया और अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम की धमाकेदार शुरुआत हुई। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने सिलसिलेवार मनमोहक और भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। गोडशिप एकेडमी की डायरेक्टर संगीता भोवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष हमारे कार्यक्रम की थीम 'ड्रीम भारत' रखी गई है। क्योंकि हमारी वर्तमान शिक्षा पद्धति भारतीय संस्कृति से दूर होती जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम भाग में मुगलों द्वारा हमारी प्राचीन संस्कृति और शिक्षा पद्धति को नष्ट किया गया, उसका सजीव प्रस्तुतीकरण नन्हें मुन्ने बच्चों ने बहुत ही प्रभावी ढंग से किया। दूसरे भाग में ब्रिटिश शासन से पहले का समय जिसमें मुगलों के समय किस तरह भारतीय संस्कृति को नष्ट किया गया। जिसमें शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप का संघर्ष प्रस्तुत किया गया। इसके बाद अंग्रेजों का आगमन और स्वतंत्रता आंदोलन जिसमें 1857 की क्रांति और मंगल पांडे, लक्ष्मीबाई, भगतसिंह, सुखदेव आदि के बलिदान को दर्शाया गया। लंबे संघर्ष के बाद आजादी मिली तो किस तरह मैकाले ने हमारी शिक्षा पद्धति को तहस-नहस कर भारतीय लोगों को काला अंग्रेज बना दिया। अंतिम भाग में हम किस तरह हमारी संस्कृति की ओर वापस लौट रहे हैं। ऐसा मार्मिक चित्रण नन्हें बच्चों ने प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों ने सूफी गायन, बंगाली, गुजराती और राजस्थानी घूमर की भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डायरेक्टर संगीता भोवाल ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सभी आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में गोडशिप एकेडमी की डायरेक्टर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। बच्चों के अभिभावक एवं अन्य गणमान्य अतिथियों से खचाखच भरे बिड़ला आडिटोरियम में बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर बार-बार हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

वाल्मीकि समाज की बेटी लाली के विवाह में सेवा भारती का सहयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बापू सेवा बस्ती, विधाधर नगर में वाल्मीकि समाज की बेटी लाली के विवाह में सेवा भारती की ओर से सहयोग स्वरूप कुछ सामान भेंट किया गया, जिसमें 10 बेस, 32 साड़ियां, कपड़े, सिंगल बेड, कम्बल, 121 बर्तन, 5 बेडशीट्स, गिफ्ट, पंखा, कच्चा समान और 2100 नकद शामिल हैं। इस अवसर पर सेवाकार्य में संघ के सेवा विभाग और सेवा भारती के कार्यकर्ता मौजूद रहे। साथ ही सभी ने हिंदू समाज को एकजुट रखने और आगे भी हर संभव मदद करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बस्ती समेत परिवार के लोगों ने सभी को तिलक लगाया और मोली बांधकर स्वागत किया।

तुलसी विवाह एव द्वितीय विवाह सम्मेलन आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** श्री कृष्ण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट विद्याधर नगर जवाला मन्दिर जयपुर के द्वारा असहाय और असमर्थ निर्धन परिवार जो अपनी बच्चियों का विवाह करने में सक्षम नहीं होते और दहेज प्रथा को खत्म करते हुए उनके विवाह का आयोजन संस्था के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी तुलसी विवाह एव द्वितीय विवाह सम्मेलन देवउठनी एकादशमी को स्थान -माँ ज्वाला दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, सेक्टर-8, नियर मंदिर मोड़ सर्किल, विद्याधर नगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में श्री श्री प्रेमानंद जी महाराज के परम शिष्य श्री दाऊजी महाराज का पावन सानिध्य रहा। साथ ही अन्य समाजसेवी और सहयोगी संस्था व भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा का दुप्पटा पहना कर स्वागत किया गया। समिति उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह यादव ने बताया की संस्था समय-समय पर निःशुल्क एव निस्वार्थ भाव से धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम जैसे 365 दिन बेजुबान घायल पक्षियों का उपचार, वस्त्र-भोजन दान, ब्लड डोनेशन, निःशुल्क लाइब्रेरी एवं कंप्युटर शिक्षा, सामुहिक विवाह सम्मेलन, मंदिरों, गोशाला,अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम में सेवाओं का आयोजन करती रहती है।

पाठ्य सामग्री वितरित कर मनाया गीता का जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संत बाबा मेहरदास मन्दिर में संस्थापक अप्रवासी लाल आर साधवानी की धर्म पत्नी गीता साधवानी का जन्मदिन, बच्चों, एवं मन्दिर भक्तगनो के साथ हिन्दू संस्कृति के अनुरूप वेद मंत्रो के साथ पुष्प वर्षा कर स्वस्थ एवं मस्त पारिवारिक जीवन की शुभकामनायें दी। बच्चों को पठन सामग्री के साथ लड्डू टॉफी, केक वितरित कर धूम धाम से मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी ने बताया की कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी, शशि हरिरामानी, विशनी देवी, देवेन्द्र शर्मा (पुजारी) नगेन्द्र वशिष्ठ, कन्हैया, आशा हरिरामानी, कविता हरिरामानी, ओम वँजानी, ओम शर्मा, डॉ. विशाल, गणेश नरयानी, कविता गंगवानी, मीना, पंडितानी, सुरेश हरिरामानी, लवीना, मीरा शर्मा, लाजवन्ति, जय लालवानी, रेणु अरोड़ा, कौशल्या, कोमल, माया, कन्हैया लखयानी, बालमण्डली से आराध्या सोनी, आदित्य माधव, चिंकी, शुभम, लक्षित, आर्यन, तन्वय, शिवाय ने भाग लिया।

नानी बाई का मायरा 30 जनवरी को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हिन्दू युवा वाहिनी राजस्थान और सनातन सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में विद्याधर नगर सैक्टर 7 स्थित ग्राउंड में 30 जनवरी से 1 फरवरी 2025 तक तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा का आयोजन किया जाएगा। नानी बाई का मायरा कथा का वाचन देवी ऋतम कौशिक करेगी। आयोजन से जुड़े केशव अरोड़ा ने बताया कि 30 जनवरी को प्रातः 10 बजे से 1100 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक नानी बाई का मायरा कथा का आयोजन होगा।

51 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 फरवरी 2025 को

हिन्दू युवा वाहिनी राजस्थान और सनातन सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में 51 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 फरवरी 2025 को विद्याधर नगर सैक्टर 7 स्थित ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन से जुड़े केशव अरोड़ा ने बताया कि प्रत्येक जोड़े को विवाह में गृहस्थी से जुड़े सामान के अलावा सोने का मंगलसूत्र, चांदी की अंगूठी, पायल, बिछिया, नाक की लोंग भी उपहार स्वरूप दी जायेगी। सामूहिक विवाह के लिए 1 जनवरी 2025 तक रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है।

साइबर स्लेवरी (गुलाम) बनाकर साइबर धोखाधड़ी के संबंध में एडवाइजरी जारी

पंजीकृत भर्ती एजेंट द्वारा प्रसारित भर्ती का ही हिस्सा बने युवक-डीजी हेमंत प्रियदर्शी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। साइबर स्लेवरी (गुलाम) बनाकर साइबर धोखाधड़ी के संबंध में पुलिस मुख्यालय साइबर क्राइम शाखा द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने युवाओं से आह्वान किया है कि विदेश में रोजगार के संबंध में सावधानी बरते, विदेश मंत्रालय में पंजीकृत भर्ती एजेंट द्वारा प्रसारित भर्ती का ही हिस्सा बने। डीजीपी साइबर क्राइम प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगानें एवं आमजन में साइबर अपराधो के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से राज्य मे लगातार प्रयास किये जा रहे है। रोजगार के नाम पर साइबर अपराधियों द्वारा पढ़े लिखे व तकनीकी प्रशिक्षित युवाओ का झांसा देकर दक्षिण पूर्वी एशियाई देशो में आईटी क्षेत्र में रोजगार के लुभावने अवसर देकर फंसाया जा रहा हैं, जहां उन्हे ले जाकर उनके पासपोर्ट व अन्य परिचय पत्र छिने जाकर उन्हे बंधक के तोर पर साइबर गुलाम (स्लेव) बनाकर भाषा के आधार पर भारतीय नागरिको के साथ साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया जाता है। प्रियदर्शी ने बताया कि ऐसे अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय व पुलिस एजेंसिया ठोस कदम उठा रही हैं। आमजन से अपेक्षित हैं कि विदेश में रोजगार के संबंध में सावधानी बरते तथा विदेश मंत्रालय में पंजीकृत भर्ती एजेंट द्वारा प्रसारित भर्ती का ही हिस्सा बने व अन्य व्यक्ति या एजेंट द्वारा दिया जा रहा रोजगार का आश्वासन व प्रलोभन अवैध है। उन्होंने बताया कि आमजन की जानकारी के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय में पंजीकृत एजेंटो की सूची अधिकृत वेबसाइट https://www.mea.gov.in /images/attach/03-list-4-2024.pdf पर उपलब्ध है, जहां से कोई भी व्यक्ति चैक कर सकता है कि उसे रोजगार का आश्वासन देने वाला व्यक्ति पंजीकृत एजेंट है या नहीं। विदेशो में रोजगार के लुभावने ऑफर पर भारतीय विदेश मंत्रालय की वेबसाइटhttps://www.mea.gov.in/ images /attach/03- list-4-2024.pdf देखकर ही आवेदन करें। आम जनता को सलाह दी जाती हैं कि ई-मेल, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम व फेसबुक इत्यादी पर फर्जी लिंक की सूचना साइबर हेल्प लाईन नम्बर 1930, साइबर वेबसाईट https://cybercrime.gov.in एवं पुलिस स्टेशन व साइबर पुलिस स्टेशन को देनी चाहिए।

महादेव-गणेश मंदिर में लगाया अन्नकूट का भोग

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** श्री मनोकामेश्वर महादेव गणेश मंदिर, रामनगर शास्त्री नगर जयपुर के प. मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि मंदिर समिति एवं भक्तजनों द्वारा दीपावली एवं गोपाल अष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 5000 भक्त जनों ने प्रसादी ग्रहण की।

समारोह पूर्वक मनाई वैद्य लक्ष्मीनारायणश र्मा की 95वीं जयंती, कए श्रद्धासुमन अर्पित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** प्रो. वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा स्मृति जन कल्याण न्यास की ओर से गंगवालपार्क में अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आयुर्वेद विज्ञानी प्रो. वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा की 95वीं जयंती समारोहपूर्वक आयोजित की गई। इस अवसर पर वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके जीवन आदर्शोंपर चलने का संकल्पलिया गया। इस दौरानजन कल्याण न्यास के अध्यक्ष डॉ. अनन्त शर्मा ने आगंतुकों का स्वागत किया। जन कल्याण न्यास के महामंत्री नवीन शर्मा ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, स्व. शर्मा के शिष्यगण, मित्र व परिजन उपस्थितथे। उन्होंनेस्व. लक्ष्मी नारायण शर्मा के योगदान को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व और कृतित्व अनेक पीढ़ियों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आयुर्वेद विज्ञानी एवं महान संस्कृतज्ञ स्व. वैद्य लक्ष्मी नारायण शर्मा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक, इंडियन मेडिसिन बोर्ड के अध्यक्ष एवं राजस्थान विश्वविद्यालय में आयुर्वेद संकाय के अधिष्टाता सहित महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। वैद्य लक्ष्मी नारायण शर्मा जीवन पर्यन्त आयुर्वेद एवं संस्कृत की सेवा में संलग्न रहे।

देवउठनी एकादशी के उपलक्ष्य में विश्वकर्ता युवा संघ ने की सरवत वितरण

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** देवउठनी अकादशी के उपलक्ष्य में रोड नंबर 17 विश्वकर्मा मे विश्कर्मा युवा संघ ने सरवत वितरण का कार्यक्रम किया। जिसमे दिलेर सिंह, गोविन्द ठाकुर शुभम सिंह, विक्रम सिंह, निखिल थापा, कुलदीप सिंह गुढ़ा, राहुल, हरीश राठौड़ अर्जुन सैन एवं अन्य मित्रगण के साथ विश्वकर्मा युवा संघ के कार्यकर्ता सम्लित रहे। गोविन्द ठाकुर ने बताया की विश्वकर्मा युवा संघ आम जनता की मदद के लिए बनाया गया है जिसमे समय समय पर ब्लड कैंप जैसे कई कार्यक्रम किये जाएगे। दिलेर सिंह का कहना है की विश्वकर्मा युवा संघ हमेशा आम जनता के साथ खड़ी रहेगी एवं आम जनता के लिए कार्य करेंगी।

हिंदू युवा वाहिनी राजस्थान के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** आज हिंदू युवा वाहिनी राजस्थान के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन हुआ उद्घाटन के उपरांत सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की मीटिंग हुई। मीटिंग में प्रदेश प्रमुख केशव अरोड़ा, अजय अग्रवाल, हजारी चौधरी, गोविंद चौधरी, सुशील अग्रवाल, मंगतू राम गुप्ता, प्रताप सिंह, नवीन कालड़ा, जगदीश सपडा, अविनाश जुनेजा, करमचंद जग्गा, विपिन असीजा, उर्मिला सिंह, उर्मिला कंवर, नमीता अग्रवाल, श्याम लता शर्मा, रेनू गुप्ता, सोनिया राजपूत, सोनाली राजपूत, नीलम कुमावत, सुरुचि गोस्वामी, नीमा कौशल, अलका अग्रवाल एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव 'ताल' 17 को, 6 से 55 वर्ष के 125 नृत्य साधक देंगे कथक नृत्य की प्रस्तुति

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कथक डांस एंड म्यूजिक का 18वां वार्षिक समारोह " ताल 2024 " 17 नवंबर को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में शाम 5.30 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में डॉ. स्वाति अग्रवाल और उनकी छात्राएं कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बीडी कल्ला होंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क रहेगा।

रेलवे ने चलाई स्पेशल ट्रेनें, लगेंगे 2222 फेरे

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे पर वर्तमान में 53 स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है, जिनके 2222 ट्रि प विभिन्न स्थानों के लिए संचालित होंगे। यह रेल सेवाएं बान्द्रा टर्मिनस, वलसाड, रांची, आसनसोल, हावडा, टनकपुर, गोरखपुर, पटना, दानापुर, बढ़नी, महू, सोलापुर, हरिद्वार, दौंड, संतरागांछी, डीब्रूगढ, श्रीमातावैष्णोंदेवी कटरा, तिरूपति, काचीगुडा, हैदराबाद, गौहाटी, ओखा, कोयम्बटू र, बरौनी इत्यादि शहरों के लिए संचालित हो रही है। आगामी त्यौहारी सीजन में यात्रियों की आरामदायक यात्रा के लिए रेल सेवाओं में अतिरिक्त डिब्बें लगाए जा रहे हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे ने अभी तक लिए 68 जोडी रेल सेवाओं में 145 विभिन्नश्रेणियों के डिब्बेंलगाए गए है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कै प्टन शशि किरण के अनुसार स्पेशल ट्रेनोंका संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जा रहा है।

जागरूक जनता @ किसान गुमान सिंह के खेत पर प्याज की बंपर पैदावार

लाल प्याज से किसानों के चेहरे पर दिखने लगी लालिमा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। अलवर के लाल प्याज पर कई राज्यों की निगाहे हैं। इस मौसम में कर्नाटक, मध्य प्रदेश व गुजरात के कुछ भागों में प्याज होता है जो इस बार अधिक बरसात के कारण खराब हो जाता है। इस साल अलवर जिले में औसत से कम बरसात प्याज बोने वाले किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस बरसात से प्याज की फसल खराब नहीं हुई है। इस वर्ष अलवर जिले में 23 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में प्याज की फसल बोई गई है जो बीते वर्ष से काफी अधिक है। अलवर जिले में प्रति हैक्टेयर प्याज की पैदावार 16 से 17 टन बताई जा रही है। अलवर में प्याज की अच्छी फसल होने के कारण कई राज्यों के आढ़ती अलवर मंडी में अगले माह की शुरुआत में आ जाएंगे। किसान गुमान सिंह के खेत पर प्याज की बंपर पैदावार के बाद परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। प्याज की पैदावार ने पिछले साल भी किसानों को निहाल किया था जिसका कारण इसके अच्छे भाव मिलना था। इस बार भी प्याज के भाव कम होने की संभावना नहीं है। किसानों को इस बार भी इसके अच्छे भाव मिलने की संभावना है।

युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समस्त तैयारियां सुनिश्चित करें अधिकारी-जिला कलक्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले के सभी उपखण्ड अधिकारियों को युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समस्त तैयारियां दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया। मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कहा कि पंचायत, ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले इस युवा महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाशाली युवा सक्रिय भागीदारी निभाएं इसके लिए अधिकारी कार्ययोजना का बेहतर क्रियान्वयन करें।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के लंबित राजस्व वादों में नियमानुसार कमी लाने के लिए नियमित रूप से कोर्ट लें एवं राजस्व वादों का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करें। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तरण करने, नियमित जनसुनवाई करने, राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं अधिक से अधिक रात्रि चौपाल कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को आगामी सर्द ऋतु के मद्देनजर क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में रैन बसेरे संचालित करने एवं रैन बसेरों में साफ-सफाई, साफ बिस्तर सहित अन्य इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को मर्ज किये गए राजकीय विद्यालयों के भवनों में वर्तमान में किराये के भवन में संचालित आंगनबाड़ी अथवा स्वास्थ्य केन्द्र अथवा अन्य राजकीय कार्यालय संचालित करने की कार्यवाही अमल में लाने के लिए भी निर्देशित किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के बीच एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के बीच सामाजिक रूप से पिछड़े समूहों के किशोर - किशोरियों को जीवन कौशल एवं स्वास्थ्य संबंधित जानकारियों द्वारा सशक्त करने के लिए एक एमओयू पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका और UNFPA की भारतीय प्रतिनिधि एंड्रिया एम वोजनार द्वारा हस्ताक्षर शासन सचिवालय स्थित उनके कक्ष में किया गया।

इस अवसर पर रांका ने विभाग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एमओयू के तहत संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा आवासीय विद्यालयों और निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों/विशेष शिक्षकों और छात्रावासों के छात्रावास अधीक्षकों को निःशुल्क प्रशिक्षण एवं कौशल एवं स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां आदि प्रदान करने तथा किशोर युवाओं और विशेष योग्यजन व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए विभाग के भीतर एक तकनीकी सहायता इकाई की स्थापना की जाएगी। इस एमओयू का उद्देश्य सामाजिक रूप से पिछड़े समूहों के किशोर - किशोरियों को सशक्त बनाने, समावेशिता को बढ़ावा देने के साथ सतत् विकास को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर बचनेश कुमार अग्रवाल, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित यूएनएफपीए इंडिया के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

देवउठनी एकादशी एवं भीष्म पंचक का पहला दिन

हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा महाजप यज्ञ आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आज देवउठनी एकादशी एवं भीष्म पंचक के पहले दिन हरे कृष्ण मूवमेंट, जयपुर द्वारा भव्य महा जप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर में ब्रह्म मध्वा गौड़ीय वैष्णव परंपरा के महान आचार्य श्रील गौर किशोर दास बाबा जी महाराज का तिरोभाव दिवस भी श्रद्धापूर्वक मनाया गया।कार्तिक मास में लिए गए 11 करोड़ नाम जप के संकल्प में भक्त अब तक 3 करोड़ 2 लाख 21 हजार नाम का जप कर चुके हैं। इस विशेष एकादशी के दिन, हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के भक्तों ने इस्कॉन बेंगलुरु के अध्यक्ष श्रीमान मधु पंडित प्रभु के सानिध्य में ऑनलाइन 108 माला का जप किया। प्रभुजी के साथ वृंदावन से जुड़े भक्तों ने 14 घंटे से अधिक समय तक साधना करते हुए 108 माला का जप पूर्ण किया। इस कार्यक्रम में करीब 200 भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मंदिर में दर्शन के लिए हजारों भक्त उमड़े और भगवान के दिव्य दर्शन, कीर्तन, और महा आरती का आनंद प्राप्त किया।

शुभस्य शीघ्रम

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है- "मासानां मार्गशीर्षोऽहम्" यानी सभी महीनों में,मैं मार्गशीर्ष हूं। मान्यता के अनुसार मार्गशीर्ष से ही सतयुग प्रारंभ हुआ था। मार्गशीर्ष अध्यात्म उत्थान और चेतना का मास माना जाता है।

इस महीने में प्रवेश करने से पूर्व इसकी तैयारी कार्तिक मास से ही शुरु हो जाती है। कार्तिक मास का नाम भगवान शिव के जेष्ठ पुत्र कार्तिक (स्कन्द)के नाम रखा गया माना जाता है ।इसी मास में भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर राक्षस का वध किया था। कार्तिक मास में दक्षिण भारत में भगवान शिव और माँ गौरी की पूजा अर्चना की जाती है, जबकि उत्तरी भारत में भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की आराधना का चलन है। कार्तिक मास में पत्थर (पथवारी) से लेकर पर्वत (गोवर्धन) छोटे कीट से लेकर गाय-बछड़े की पूजा अर्चना कर, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने रिवाज है। आंवला, पीपल, तुलसी आदि औषधीय और पूजनीय पेड़-पौधों के प्रति अभार और जीवन चक्र में उनके संयोग करने के लिए उनके प्रति कृतज्ञता जताने का मास माना जाता है।

कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की एकादशी को देव चार माह कि निंद्रा से जागते हैं। माना जाता है सृष्टि के पालन करता भगवान विष्णु 4 महीने निंद्रा और 8 महीने जागृत अवस्था में रहते हैं। सूर्या के दक्षिणायन में प्रवेश के समय देवशयनी एकादशी पर देव निंद्रा में जाते हैं। इसीलिए सारे मांगलिक कार्यक्रम थम जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जाएं तो वर्षा ऋतु में विवाह आदि मांगलिक कार्यक्रमों को स्थगित रखना ही वाजिब जान पड़ता है।यह समय फसल तैयार करने का है, आधुनिक भाषा में अपनी प्रोडक्ट बनाने का समय है। जो कार्तिक माह में दिवाली पर तैयार होकर बाजार में आ जाते हैं। उसी समय शुरू होते है मांगलिक कार्यक्रम, जिसमें बाजारों में रौनक और समान दोनों ही उपलब्ध रहते हैं।तभी उत्तरायण से पहले देव जागृत अवस्था में आ जाते हैं और सृष्टि का पालन पोषण की व्यवस्था पुनः संभाल लेते हैं।

इन सारी बातों का सार यह है कि प्रकृति की पूजा, देख-रेख और उसके प्रति अभार करने से ही मनुष्य अपने अंदर छिपे देवत्व के भाव जागृत कर सकता है और उसी में विश्व वास्तविक विकास कि ओर अग्रसर हो सकता है। तो उस देवत्व के भाव को जगाने के लिए और कृष्ण जैसे मार्गशीर्ष महीने में प्रवेश करने से पहले, प्रकृति के प्रति आदर की भावना जगाना अनिवार्य है। कहा जाता हैं अच्छे काम को जितना जल्दी हो सके कर लेना चाहिए अर्थात "शुभस्य शिघ्रम"।

मतदान से पहले सरकारी मशीनरी का जमकर हुआ दुरुपयोग-टीकाराम जूली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पुलिस और प्रशासन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना का आरोप लगाया है। सिंह ने प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में मतदान से पहले ही सरकारी मशीनरी का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को प्रभावित करने के मकसद से बेकसूर लोगों को बिना कोई मामले के पुलिस गिरफ्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कांग्रेस पार्टी के मजबूत मतदाता है वहां दुर्भावनावश पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी चुनाव होने हैं वहां भाजपा ऐसे ओछे हथकंडे अपनाने से पीछे नहीं हठ रही है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि रामगढ़ के चुनाव को चाहे कितना ही प्रभावित किया जाए लेकिन सत प्रतिशत मतदान होगा और कांग्रेस पार्टी के पक्ष में होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि रामगढ़ में पुलिस और प्रशासन भारतीय जनता पार्टी के इशारों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सोशल मीडिया पर अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म की घृणित पोस्ट कर वोटो का ध्रुवीकरण करने की राजनीति की जा रही है ऐसे लोगों पर कार्यवाही की सख्त जरूरत है। जूली बोले रामगढ़ सीट हारने के डर से निर्दोष लोगों को प्रताड़ित कर चुनाव को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का ग्राफ जहां अच्छा है वहां दुर्भावनावश कार्यवाही की जा रही है। जूली बोले रामगढ़ में पूर्व में तैनात एसएचओ और एक आईपीएस अधिकारी के द्वारा फोन पर भाजपा के पक्ष में प्रचार करने की जानकारी भी सामने आई है।

किसानों के सशक्तिकरण एवं समृद्धि के लिए राज्य सरकार सदैव कटिबद्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

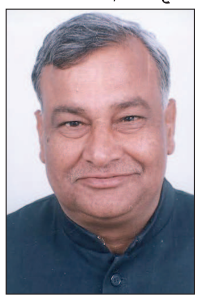

जयपुर। केन्द्र व राज्य सरकार किसानों के सशक्तिकरण, समृद्धि और भरपूर फसल उत्पादन की दिशा में पूरी गंभीरता से प्रयासरत है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत कृषकों के विगत वर्षो के लम्बित बीमा क्लेमों के निस्तारण के लिए राज्य सरकार सदैव प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत वर्षो से लम्बित किसानों के बीमा क्लेमों को शीघ्र वितरित कराये जाने हेतु कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल द्वारा विभागीय अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये गये। फसल बीमा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2017 से 2022-23 तक बीमा कम्पनियों में लगभग 77 करोड़ 98 लाख रूपये के बीमा क्लेम लम्बित है। लम्बित क्लेमों में बैंक खाता सम्बन्धी कमियों के कारण भुगतान नहीं हो पाया है। लम्बित बीमा क्लेम के निस्तारण हेतु कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारियों द्वारा कैम्प लगाकर प्रभावित किसानों के आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, नवीन बैंक खाते का विवरण, मृत्यु होने की दशा में मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज इकट्ठे कर सम्बन्धित कमियों को दूर कर, लम्बित बीमा क्लेमों के निस्तारण की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी, जिससे किसानों को राहत मिल सकेगी।

गत वर्षो के लम्बित बीमा क्लेम जिनके भुगतान बैंक खाता व आधार सत्यापन के अभाव में विफल हो गये थे, उन्हें वितरित कराने के निर्देश राज्य सरकार द्वारा जारी किये गये है। इस हेतु जिला कलक्टर की अध्यक्षता में सम्बन्धित बीमा कम्पनी के साथ बैठक आयोजित कर योजनान्तर्गत नवम्बर 2024 तक लम्बित बीमा क्लेम शीघ्र वितरित किये जाने के निर्देश दिये गये है।

आयुर्वेद विवि के कुलपति प्रो. प्रजापति ने जापानी अतिथियों का किया अभिनंदन

जापान से पधारे पावणो ने पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर का किया भ्रमण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थानआयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो.(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति से जापान से पधारे अतिथियों एवं कल्टीवेटर निदेशक तरुण प्रजापति ने दिसंबर माह मे होने वाले इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (औषध मानकम) के बारे मे चर्चा की एवं अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।साथ ही जापानी प्रतिनिधियों के दल ने पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस जोधपुर का दौरा किया। पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभारी एवं पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ ज्ञानप्रकाश शर्मा ने सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस में होने वाले पंचकर्म प्रक्रियाओं जैसे शिरोधारा, कटि बस्ति, जानुधारा,वाष्प स्वेदन, सोनाबाथ स्वेदनएवं अवगाह स्वेदन विधाओं की रोगियों पर प्रैक्टिकल एप्रोच के साथ जानकारी दी। साथ ही सेन्टर ऑफ एक्सीलेंसी की विजिटर गैलरी तथा एक्सीलेंसी के सम्पूर्ण पुरुष एवं स्त्री थैरेपी पंचकर्म कक्ष की विजिट करवायी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला, संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता, पंचकर्म विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित, पी. जी. अध्येता एवं पंचकर्म थेरेपिस्ट उपस्थित रहे।

भागवत कथा में भाव विभोर हुए भक्त

» जागरूक जनता @ जयपुर। सनराइज सिटी निवारू में सामूहिक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 7 नवंबर से किया जा रहा है। कथावाचक पूजनीय श्री गोपाल नंदन जी महाराज (श्री धाम वृंदावन वाले) ने भगवान की लीलाओं का वर्णन किया तो उपस्थित भक्तगण भाव विभोर हो गए। महाराज गोपाल नंदन जी ने सभी को मधुर संगीत के साथ भगवान की लीलाओं का श्रवण करवा रहे है। रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि अधिकारियों ने जाना मेडिटेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज के पीस पैलेस सेवाकेंद्र जयपुर में कृषि अधिकारियों के लिए एक मोटिवेशनल एवं मेडिटेशन रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) दुर्गापुरा से उपनिदेशक एस. एस. राजावत की अध्यक्षता में सहायक निदेशक, कृषि अधिकारी व सहायक कृषि अधिकारियों का 40 का ग्रुप पहुंचा।

कार्यक्रम का विषय "आर्ट ऑफ इनर स्टेबिलिटी" को स्पष्ट करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी हेमलता बहन ने बताया कि हम थोड़ा सा समय निकाल कर आंतरिक मन की स्थिरता को महत्व देंगे तो बाहर की व्यवस्था स्वतः सही हो जाएगी। ब्रह्माकुमारी कविता बहन ने राजयोग मेडिटेशन को स्पष्ट किया और मन की एकाग्रता के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। कृषि विवि से सेवानिवृत प्रो. डॉ रामगोपाल जाट व डॉक्टर हनुमान जाट ने अपने राजयोग के अनुभव साझा किये व ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे अनेक प्रोजेक्ट से सभी को अवगत कराया एवं विशेष "यौगिक खेती" के बारे में बताया कि यह अनेक राज्यों में चल रहा है जिसके बहुत सुंदर परिणाम सामने आ रहे हैं साथ ही बताया कि शांतिवन के तपोवन में यौगिक खेती के निरंतर ट्रेनिंग प्रोग्राम चलते हैं व सभी अतिथियों को माउंट आबू का निमंत्रण दिया। बसंत भाई ने मंच संचालन किया और उद्योगपति मदनलाल शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं दी।अंत में ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने सभी को प्रसाद वितरित किया ।

वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान समारोह, दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसादी महोत्सव आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गायत्री सप्त क्रान्ति ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जयपुर, सीकर, दौसा जिलों के ऐसे वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान किया गया। जिन्होंने अपना तन, मन, धन समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, सत्साहित्य का वितरण विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को संस्कार देने आदि की दिशा में अपने जीवन का समय, पुरुषार्थ सब लगा दिया। इस अवसर पर लगभग 1800 गायत्री परिवार के कार्यकर्ता एवं परिजनों ने भाग लिया। इन वरिष्ठ समाज सेवकों द्वारा अपने जीवन के अनुभव मंच पर आकर साझा किए गए। इससे कार्यक्रम में शामिल लोगों को प्रेरणा मिली तथा समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों यथा पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, कुरीति उन्मूलन, नारी जागरण, विद्या विस्तार आदि क्षेत्रों में काम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शंकर दास महाराज, सरना डूंगर का सान्निध्य रहा। इस अवसर पर दीपावली स्नेह सम्मेलन समारोह आयोजित किया गया एवं अन्नकूट प्रसादी महोत्सव का भी आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1800 परिजनों ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में साहित्य स्टाल, गौ उत्पादों, नशा मुक्ति एवं अन्य समाज उपयोगी वस्तुओं की स्टाल लगाई गई।

सैलेब्रिटी गेट टु गेदर

विक्रांत मैसी ने जयपुर में किया 'द साबरमती रिपोर्ट' का प्रमोशन, उठाया राजस्थानी थाली का लुफ्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर जारी हो चुका है और ये सच्चे मायनों में सनसनी पैदा कर रहा है। इसमें भारत की एक बेहद दर्दनाक घटना की झलक दिखाई गई है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। जहां दर्शक इस अनकही घटना के बारे में जानने को उत्सुक हैं, वहीं विक्रांत मैसी ने आज जयपुर में फिल्म का प्रमोशनल टूर करते हुए मीडिया और फैंस से मुलाकात की है। इतना ही नहीं एक्टर ने इस दौरान राजस्थानी थाली का लुफ्त भी उठाया। बता दें कि एक्टर के इस विजिट ने फिल्म के रिलीज को लेकर देखी जा रही बेसब्री को और बढ़ा दिया है।

फिल्म के लीड एक्टर विक्रांत मैसी ने अपने जयपुर दौरे से सभी को चौंका दिया। उनकी एक्टिंग स्किल्स की सराहना तो पहले से ही होती रही है, और उनके द्वारा चुनी गई कहानियां भी खास और गहरी होती हैं। इस फिल्म की कहानी साबरमती एक्सप्रेस में 27 फरवरी, 2002 को गोधरा स्टेशन के पास हुए एक हादसे पर आधारित है। विक्रांत फिल्म में एक पत्रकार को भूमिका में हैं, जिसे सिल्वर स्क्रीन पर देखना अपने आप में खास होने वाला है। बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट, 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं, जो धीरज सरना द्वारा डायरेक्टेड और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा प्रोड्यूस है, जिसे दुनिया भर में ज़ी स्टूडियोज द्वारा रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज होगी।

जागरूक खबरें

आउटडोर पर भीड़, पर्ची काउंटर पर बैठी महिला मेहंदी लगाने में व्यस्त

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। ज़िले के सबसे बड़े अस्पताल श्री सांवलियाजी की राजकीय चिकित्सालय के कर्मचारियो में लापरवाही तो आए दिन सामने आती रहती है लेकिन सोमवार को अस्पताल के आउटडोर के समय में नि:शुल्क जांच योजना के पर्ची काउंटर पर महिला कर्मचारी ड्यूटी के समय अपनी सहयोगी कर्मचारी के हाथों पर मेहंदी लगा रही थी, जहां काउंटर पर पर्ची लेने के लिए खड़े मरीज़ इंतजार कर रहे थे। खास बात यह है कि सोमवार का दिन होने से पर्ची काउंटर पर रोगियों की खासी भीड़ लग रही थी उसके बावजूद दोनों महिला कर्मचारी मेंहदी में इतना व्यस्त रहे कि वे भूल गये वे कहा बैठे है।

इनरव्हील क्लब ने लगाये 150 पौधे

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। इनरव्हील क्लब ऑफ की रितु भोजवानी की अध्यक्षता में पारस ग्रीन फार्म हाउस में एक पौधरोपण परियोजना आयोजित की जिसमें 150 पौधे लगाए गए। इस संपूर्ण पहल को क्लब की आशा जैन द्वारा प्रायोजित किया गया। पौधरोपण में ताइवान पपीता, शहतूत, एवोकाडो, सीताफल, नींबू, जामुन, चीकू, ड्रैगन फ्रूट, नारियल के पौधे सम्मिलित थे। वीना खमेसरा परियोजना में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। छात्रा आयुषी वैष्णव की आरएससीआईटी कोर्स की फीस जमा करवाई, जिससे उसे सरकारी नौकरी पाने में सुविधा हो सके। इस आयोजन में चार्टर ट्रेज़रर किरण मालीवाल, उमा न्याति, अंजलि भारद्वाज, ज्योति जिंदल और राजश्री काबरा उपस्थित थे।

नवनिर्मित कक्षा कक्ष का लोकापर्ण व सम्मान समारोह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सहयोग प्रदान करने व शिक्षा को बढावा, नामांकन एवं ठहराव में योगदान प्रदान करने की दृष्टि से विक्टर राउण्ड टेबल की स्थानीय शाखा 361 द्वारा शिक्षा को समर्पित 2 कक्षा-कक्ष का नव निर्माण मय फर्नीचर व 3 शौचालय की मरम्मत रंग रोगन आदि पूर्ण कराकर सोमवार को लोकार्पण कर विद्यालय को सुपुर्द किये गये। इस अवसर पर नवनिर्मित कक्षा-कक्ष का लोकार्पण कार्यक्रम के राउण्ड टेबल इंडिया के राज्य पदाधिकारी मुख्य अतिथि पंकज दुग्गड व रौनक जैन, अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा, कल्पना शर्मा, प्रधान देवेन्द्र कंवर, रणजीत सिंह, अनुज ईनाणी, योगेश अडानीया एवं हेमेन्द्र कुमार सोनी संदर्भ व्यक्ति आदि के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम सभी अतिथियों का विद्यालय के मुख्य द्वार से तिलक लगाकर, कलश बधाई के रिवाज के साथ परिसर में प्रवेश किया व सभी ने सरस्वती पूजन किया। संस्था प्रधान अनिल शर्मा द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को उपरणा धारण कराकर शाब्दिक स्वागत किया। इसी क्रम में स्थानीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

विभाग की ओर से अति. जिला परियोजना समन्वयक दशोरा ने संस्था द्वारा इस प्रकार से शिक्षा को दिये जा रहें सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि विद्यालय में पर्याप्त कक्षा-कक्ष बच्चों के नामांकन एवं ठहराव में अपनी महत्ती भूमिका निभाते है। इस अवसर पर सीवीआरटी 361 द्वारा दुग्गड को उपरणा धारण कराकर विजय स्तम्भ का प्रतीक भेंट किया। कार्यक्रम में दीपक पगारिया, हिमांशु सिसोदिया, प्रतीक सिसोदिया, ऋषभ सिसोदिया, अनिकेत झंवर, विनित जैन, राहुल सिसोदिया, रौनक ईनाणी, रमेश चन्द्र सेन, विद्यार्थी, विद्यालय स्टाफ, गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहें।

जिहाद और धर्मांतरण के कुचक्र को तोड़ेगा बजरंग दल-दौनेरिया

» जागरूक जनता @ उदयपुर। बजरंग दल की प्रांतीय बैठक विश्व संवाद केंद्र में आयोजित हुई, जिसमें 27 जिलों प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने हिंदू समाज के विरुद्ध धर्मांतरण तथा मुस्लिम समाज के एक वर्ग द्वारा लव जिहाद के आक्रमण रोकने के लिए उपाय योजना का संकल्प दिलाया। दौनेरिया ने बताया कि बजरंग दल हिंदू समाज की सेवा, संस्कार तथा सुरक्षा के लिए समर्पित युवा संगठन है। युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता के उद्देश्य से 23 से 30 नवंबर तक बजरंग दल द्वारा प्रखंड स्तर पर रन फॉर हेल्थ मैराथन का आयोजन होगा। नशामुक्ति के विषय पर देशभर में 10 दिनों में 7 हजार से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों में लाखों युवा सहभागी होंगे। हिंदू समाज में भाव जागरण के उद्देश्य से धार्मिक चिह्न त्रिशूल दीक्षा के लिए देश भर में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे साथ ही गीता जयंती प्रखंड केंद्रों पर शौर्य संचलन निकाला जायेगा। बैठक में विहिप प्रांत सहमंत्री सुंदर कटारिया, क्षत्रीय संयोजक किशन प्रजापत, प्रांत संयोजक योगेश रेनवाल ने कार्यकर्ताओं को संगठन की योजना रचना से अवगत करवाया।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का शपथ ग्रहण समारोह 22 दिसंबर (रविवार) अग्रोहा धाम हरियाणा में

हमारा 5वां धाम, चलो अग्रोहा धाम-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। पूरे विश्व में समाज की सबसे सक्रिय एवं सशक्त संगठन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी सत्र 2024.2027 की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं मेल मिलाप कार्यक्रम हरियाणा प्रदेश इकाई के आतिथ्य में अग्र कुल प्रवर्तक श्री अग्रसेन जी भगवान की धरोहर अग्रोहा धाम, हिसार (हरियाणा) में 22 दिसंबर (पोष कृष्ण पक्ष सप्तमी) को आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल की अध्यक्षता में होगा तथा 22 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह एवं मेल मिलाप कार्यक्रम के लिए जोर शोर से जुटी हुई है तो वहीं इस राष्ट्रीय शपथ ग्रहण समारोह में देश सहित विदेशों से भी अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के पदाधिकारी,सदस्य शामिल होंगे।

कार्यक्रम में आगंतुक पदाधिकारी, सदस्यों के लिए आवास एवं सम्पूर्ण व्यवस्था हरियाणा प्रदेश इकाई के आतिथ्य में की गई है अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने अपने संदेश में सभी सम्मानीय सदस्यों से अनुरोध किया है कि हमे इस सुअवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पधारकर इस पुण्य भूमि अग्रवालों का पांचवां धाम अग्रोहा धाम के दर्शन का लाभ प्राप्त करना है। कार्यक्रम में सुचारू व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए प्रति सदस्य 1100 रुपए का सहयोग पंजीयन शुल्क रखा गया है एवं लगभग 500 की संख्या में पदाधिकारी सदस्यगण इस कार्यक्रम में शामिल होंगे आगुंतक सदस्य अपने आगमन की अग्रिम सूचना, डेलीगेट फीस दी गई। UPI ID 9775791111@okbizaxis पर जमा करवा कर 20 नवंबर शाम 7 बजे तक केंद्रीय मुख्यालय मुख्य प्रबंधक आलोक चौधरी के नंबर पर 9378196678 पर भेज कर सभी व्यवस्थाओं को गति प्रदान करने में अपना सहयोग प्रदान करे।

सीएसआर के तहत शिक्षा संबल कार्यक्रम में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों की अतिरिक्त कक्षाएं

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा आयोजित शिक्षण शिविर में 4 हजार से अधिक छात्र छात्रांए लाभान्वित

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा प्रदेश के 7 जिलों में दीपावली अवकाश के दौरान शिक्षा संबल कार्यक्र म के तहत अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित कर ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों के 4 हजार 250 छात्र छात्राओं को गणित, विज्ञान व अंग्रेजी विषय की कोचिंग दी गयी। इस शिक्षण शिविर का उद्धेश्य शैक्षणिक रुप से कमजोर छात्र छात्राओं को गणित, विज्ञान और अग्रेजी विषय में कोचिंग देकर बेहतर परिणाम हेतु सशक्त करना था। शिविर के दौरान शैक्षणिक रुप से कमजोर छात्रों को व्यावहारिक एंव प्रायोगिक कक्षाओं के माध्यम से कठिन विषयों को सरल रुप में सीखाया गया। कैम्प में विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी पढ़ने-लिखने के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विद्याभवन सोसायटी के सहयोग से आयोजित इन शिविरों में आगुचा, चित्तौड़गढ़, कायड़, दरीबा, देबारी और जावर के 4000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर के दौरान कमजोर छात्रों पर ध्यान देंते हुए पढ़ने और लिखने, समझने, गणितीय बुनियादी समस्याओं और विज्ञान की बुनियादी बुनियादी अवधारणाओं में कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया गया। शिविर हेतु कमजोर छात्रों की सूची फिल्ड कार्मिकों द्वारा पहले से ही सूची तैयार की गयी। इन छात्रों पर कक्षाओं के दौरान गहन ध्यान दिया गया। दीवाली शिक्षण शिविर में कक्षाओं के दौरान मुख्य कार्य सीखने को बढ़ाने के लिए कार्यपुस्तिका गतिविधियों पर केंद्रित था।

माधव कृषि महाविद्यालय सत्र 2024-25

प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के माधव कृषि महाविद्यालय में सोमवार से सत्र 2024-25 की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एग्रीकल्चर फार्म पर अपने प्रैक्टिकल ज्ञान का प्रदर्शन किया। छात्रों ने फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, और कृषि तकनीकियों पर लाइव प्रदर्शन देकर अपनी दक्षता का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डॉ. राजकुमार ने कहा कि हमारा प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा देना है। वहीं विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत ने बताया कि विश्वविद्यालय ने यूजीसी के नियमों के अनुसार समय पर परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित किया है। "कृषि महाविद्यालय के डीन प्रो. डॉ. वीआर पटेल ने कहा कि सेमेस्टर के दौरान छात्रों को सिलेबस का पूरा प्रशिक्षण दिया गया है, और हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि छात्रों की परफॉर्मेंस बहुत अच्छी रही है।

प्रो. डॉ. गीतम सिंह ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों ने प्रायोगिक , मौखिक व प्रैक्टिकल रिकॉर्ड मे अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने करके सीखो और देखकर सीखो का सटीक नमूना प्रस्तुत किया है, जो तकनीकी शिक्षा का मूल आधार है।

समग्र भारत एक भारत विषय पर चित्रकला शिविर समापन आज

» जागरूक जनता @ उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित चित्रांकन पेंटिंग शिविर का समापन बुधवार को शिल्पग्राम में होगा। समापन समारोह की मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा होगी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि केन्द्र द्वारा नित नए नवाचार करने के क्रम में पांच दिवसीय चित्रांकन पेंटिंग शिविर 'समग्र भारत-एक भारत' (सामाजिक समरसता, पर्यावरण और लोक एवं जनजातीय संस्कृति चित्रांकन) विषय पर शिल्पग्राम में आयोजित किया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से चुनावी चर्चा: देश में डबल इंजन की सरकार बन रही विकास का सबब

पगड़ी तभी पहनी जब STP प्लांट हुआ चालू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर @ चिमन राठौड़। देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य और आर्थिक राजधानी के तौर पर देश में पहचान रखने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर इस बार सभी की नजरे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए एक बार फिर से भूपेंद्र यादव को प्रभारी बनाया है। अलवर से लोकसभा चुनाव जीते भूपेंद्र यादव ने ओडिशा में कमल खिलाकर अपना कद बढ़ाया है, लेकिन महाराष्ट्र में इस बार उनके सामने बीजेपी को वापस नंबर वन बनाने की बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, भूपेंद्र यादव के संसदीय क्षेत्र अलवर की रामगढ़ विधानसभा में भी उपचुनाव है। यहां 13 नवंबर को मतदान है और महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र और रामगढ़ से जुड़े मुद्दों को लेकर भूपेंद्र यादव से विशेष बातचीत की गई।

» पहले सवाल के जवाब में यादव का कहना था कि महाराष्ट्र में भाजपा समर्थित महायुति गठबंधन का बहुत अच्छा वातावरण बना है। महाराष्ट्र के विकास को लेकर गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संकल्प पत्र घोषित किया गया है। इसमें महाराष्ट्र को एक बड़े आर्थिक व्यवस्था के रूप में देश का नंबर वन राज्य बनाने का संकल्प किया गया है। पीएम मोदी की जो 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य भी महाराष्ट्र की तरफ इंगित किया गया है। महिलाओं के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब बनाने, किसानों के लिए विशेष रूप से एमएसपी जैसे विषयों को जमीन पर लाने के कार्य को संकल्प पत्र में शामिल किया है।

» दूसरे सवाल के जवाब में भूपेंद्र यादव का कहना था कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में महायुति की सरकार बनने जा रही है। बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना (शिंदे) गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है। महाराष्ट्र के विकास, गौरव और डबल इंजन सरकार से विकास की गति को आगे बढ़ाने का काम अब तेजी के साथ किया जाएगा। यहां पिछले 10 सालों में लोगों ने मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलते हुए देखा है।

» तीसरे सवाल के जवाब में यादव का कहना था कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी बड़ा योगदान महाराष्ट्र का रहता है। महायुति की जो सरकार है, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, देवेंद्र जी और अजित दादा के नेतृत्व में देश में सर्वाधिक विदेशी निवेश पिछले वर्ष महाराष्ट्र में हुआ है। यह इस बात को दर्शाता है कि शासन की स्थिरता राज्य के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाता है। महायुति की सरकार केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ मिलकर डबल इंजन के रूप में महाराष्ट्र के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाएगी और देश की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देगी।

» रामगढ़ उपचुनाव को लेकर भूपेंद्र यादव का कहना था उन्होंने यहां निरंतर जनसंपर्क किया है। यहां नौजवान, महिलाओं, किसान सहित सभी वर्गों का जो समर्थन और सहयोग मिल रहा है, उससे भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह की जीत निश्चित है। यादव का कहना था कि लोकसभा चुनाव के दौरान हमने कहा था कि ईआरसीपी की डीपीआर में रामगढ़ नहीं है, हम उसको लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल का धन्यवाद व्यक्त करता हूं कि उन्होंने संशोधित डीपीआर में रामगढ़ को शामिल कर लिया है। इसके अलावा, रामगढ़ में रूपारेल नदी का भी पुनर्जीवन होगा, जिससे की किसानों को सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिल जाएगा।

» एक सवाल के जवाब में भूपेंद्र यादव का कहना था कि बगड तिराहा क्षेत्र में एसटीपी प्लांट को चालू कराया गया है। लोकसभा चुनाव में जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने इस प्लांट के चालू नहीं होने पर नाराजगी जताई थी तब उन्होंने संकल्प लिया था कि इस गांव में पगड़ी तभी बांधुगा जब इस प्लांट को चालू कराया जाएगा। पिछले अक्टूबर माह में यह प्लांट चालू करा दिया गया है। अब इसकी सफलता और निरंत बनी रहे, इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कांग्रेस ने करोड़ों रुपए खर्च किए थे लेकिन यह प्लांट चालू नहीं हुआ था।

» रामगढ़ में 13 नवंबर को (आज) मतदान होने हैं। भूपेंद्र यादव ने सभी मतदाताओं से अपने मत का प्रयोग करने की अपील करते हुए कहा कि राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार है। रामगढ़ के विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए कड़ी से कड़ी मिलाते हुए भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह को जिताने का आह्वान किया।

भूपेंद्र यादव पर क्यों खेला दांव

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के सामने महाराष्ट्र के बदले सियासी माहौल में बीजेपी के पक्ष के हवा बनाने की चुनौती है। यादव को फिर से महाराष्ट्र का प्रभारी बनाए जाने की बड़ी वजह है कि उन्हें राज्य की राजनीति की समझ है। राज्य के नेताओं से लेकर उनका केंद्रीय नेतृत्व से बेहतर समन्वय है। ऐसे में राज्य में भले ही स्थितियां बदल गई हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने भूपेंद्र यादव को फिर से जिम्मेदारी सौंप कर संकेत दिए हैं कि महाराष्ट्र में पार्टी की जीत और नंबर वन की पोजीशन काफी अहम है। क्योंकि गत 5 सालों में यहा की राजनीति काफी उलझ गई है। इस बार बीजेपी महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ शरद पवार और उद्धव ठाकरे की तिकड़ी से लड़ रही है। लोकसभा चुनावों में 31 सीटें झटकने बाद महाविकास आघाडी के हौसले बुलंद हैं। अब देखना है कि भूपेंद्र यादव की मेहनत और रणनीति के 23 नवंबर को क्या परिणाम सामने आते हैं ?

जोधपुर, जालौर होंगे मालामाल, निकलेगा पेट्रोल और गैस भरमार, सरकार ने तेज की प्रक्रिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। राजस्थान में रिफाइनरी शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल उत्पादन बढ़ाने को लेकर लगभग 16605 स्क्वायर किमी क्षेत्र में पेट्रोलियम खोज का कार्य तेज किया जा रहा है। यह खोज इस क्षेत्र के 14 ब्लॉकों में चल रही है। प्रदेश के पांच जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर व जालौर जिले के 21338 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम व नेचुरल गैस के भंडार चिह्नित किए गए थे। इसमें से अभी 4736 स्क्वायर किमी. क्षेत्र में 13 पेट्रोलियम माइनिंग लीज चल रही हैं। फिलहाल करीब 7 माइनिंग लीजों में कूड ऑयल और नेचुरल गैस का उत्पादन किया जा रहा है। सरकार ने राइजिंग राजस्थान समिट को देखते हुए पेट्रोलियम खोज के क्षेत्र में काम तेज करने के लिए कहा है। जल्द रिफाइनरी शुरू होने वाली है, जिससे अधिक क्रूड ऑयल की जरूरत होगी। चालू वित्तीय वर्ष के पहले 5 माह में गत वर्ष के मुकाबले क्रूड ऑयल के उत्पादन में कमी आई है, लेकिन अब इसे बढ़ाने की तैयारी चल रही है। राज्य में अभी बाड़मेर, जैसलमेर, और बीकानेर जिलों में क्रूड ऑयल और नेचुरल गैस का उत्पादन हो रहा है। अब इन जिलों में नए क्षेत्रों के साथ ही जोधपुर और जालोर के कुछ क्षेत्र में भी ऑयल-गैस के भंडार हैं।

उत्पादन बढ़ाएंगे

राज्य सरकार ने हाल ही समीक्षा बैठक में ऑयल-गैस के नए क्षेत्रों में उत्पादन शुरू कराने को लेकर तैयारी तेज करने को कहा है। चालू वर्ष का राजस्व लक्ष्य भी गत वर्ष के 3500 करोड़ से बढ़ाकर 4000 करोड़ रुपए निर्धारित कर रखा है। चालू वर्ष के पांच माह में सरकार को क्रूड ऑयल उत्पादन कम होने से 1271 करोड़ का ही राजस्व मिला है। जबकि गत वर्ष के इन्ही पांच माह में 1438 करोड़ रुपए का राजस्व मिला था। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि उत्पादन में बढ़ोतरी की जाएगी।

अब नहीं बनेगी कृषि वेस्ट से बिजली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा में सरकार और प्रशासन की शिथिल कार्यशैली की बदौलत एक और उद्योग नहीं लग सकेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि करीब 12 वर्ष पहले दी गई जमीन को प्रशासन ने वापस ले लिया है। वर्ष 2010 में जिले में बायो मास प्रोजेक्ट लगाने की घोषणा हुई थी। इसके लिए रीको को जिम्मदारी दी गई। जिले में बायो मास एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को 8.02 हेक्टेयर जमीन 6 जून 2013 को आवंटित की गई थी। अब इस जमीन को शासन उप सचिव विरजी चंद गंगवाल के आदेश पर 27 मार्च 2024 को वापस ले लिया गया है। इसके लिए रीको की ओर से भी पत्र व्यवहार किया गया। इसमें बताया गया है कि रीको को किसी बड़े प्रोजेक्ट को कम से कम 10 हेक्टेयर जमीन की जरूरत होती है। ऐसे में वे इस जमीन का उपयोग नहीं कर सकते हैं। इसलिए यहां पर रीको भी अपना कोई व्यावसायिक प्लान नहीं बना सकता है।

ऐसे चढ़ा लापरवाही की भेंट

वर्ष 2010 में प्रोजेक्ट की घोषणा की गई। तब जिला प्रशासन से लेकर सरकार ने इसके ढोल बजाए। इसके साथ ही जमीन उपलब्ध कराने के लिए फाइल चला दी गई। जिलेभर में तलाश के बाद जमीन आवंटित की गई। जमीन आवंटित करने के बाद कंपनी से कोई संपर्क नहीं किया गया। यदि समय रहते जिला प्रशासन कंपनी पर दबाव बनाता तो काफी लोगों को रोजगार मिलने लगता।

3 साल में शुरू हो जाता बिजली बनना

छींच के बाद प्रस्तावित किए गए इस उद्योग में कृषि वेस्ट से बिजली बनानी थी। इसके लिए क्षेत्र के किसानों की अतिरिक्त कमाई होती। साथ ही यहां के लोगों को रोजगार के अवसर पैदा होते।

सज्जनगढ़ जैविक उद्यान : जिराफ एनक्लोजर के लिए मैसूर से आएगा जिराफ का जोड़ा

प्रदेश के पहले जैविक उद्यान में दिखेंगे जिराफ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) की ओर से जिराफ एनक्लोजर निर्माण के लिए वन विभाग को दो करोड़ की राशि उपलब्ध कराई है। विभाग ने मुंबई से जिराफ विशेषज्ञ तुषार कुलकर्णी को बुलाकर एनक्लोजर के डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया है। माना जा रहा है कि इसी माह एनक्लोजर निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी और मार्च 2025 तक कार्य पूरा कर इसका उद्घाटन करवा लिया जाएगा।

सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में गेट नंबर तीन के पास 76 हजार 611 वर्ग फीट में जिराफ एनक्लोजर का निर्माण होगा। जिसमें 61 हजार 547 वर्ग फीट (डिस्प्ले एरिया) में दर्शक जिराफ को जोड़े को घूमता हुआ देख सकेंगे। जबकि 15 हजार 64 वर्ग फीट में इसके आवास (होल्डिंग एरिया) का निर्माण कराया जाएगा। होल्डिंग एरिया को हीटर आदि लगाकर सर्दियों में जिराफ के अनुकूल वातावरण अनुसार तैयार किया जाएगा। जिराफ को देखने के लिए बनाया जाने वाला डिस्प्ले ऊंचाई पर होगा। ताकि पर्यटक आसानी से देख सकेंगे।

मैसूर से लाया जाएगा जिराफ का जोड़ा

जिराफ एनक्लोजर के लिए मैसूर से एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जिराफ का जोड़ा लाया जाएगा। भविष्य में इनकी ब्रीडिंग से यहां जिराफ की आबादी को बढ़ाए जाने की योजना है। मुंबई निवासी जिराफ विशेषज्ञ तुषार कुलकर्णी पिछले तीन दिन से उदयपुर के सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में बनने वाले जिराफ एनक्लोजर के प्लान को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिराफ मूलतः अफ्रीकी रेगिस्तान का जीव है। जिसकी ऊंचाई लगभग 16-17 फीट करीब और वजन लगभग 1200 किलोग्राम होता है।

भारत से सदियों पुराना रिश्ता

देश के चुनिंदा चिड़ियाघरों में ही जिराफ देखने को मिलते हैं। पटना, मैसूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, चैन्नई, कोलकाता और विशाखा पट्टनम में अभी जिराफ है। भले ही यह गर्म वातावरण का जीव है, लेकिन विश्व में अमरीका व यूरोप के कई चिड़ियाघरों में इसके अनुकूल वातावरण तैयार कर इसे रखा गया है। भारत से जिराफ का रिश्ता सदियों पुराना है। बताया जाता है कि सदियों पहले यहां ब्रह्मोथेरियम व शिवोथेरियम के रूप में जिराफ प्रजाति की मौजूदगी रही है।

सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में जल्द ही लॉयन सफारी और रेप्टाइल हाउस का उद्घाटन होगा। इसके साथ ही जिराफ एनक्लोजर का शिलान्यास भी प्रस्तावित है। उम्मीद है मार्च 2025 में पर्यटकों को उदयपुर में जिराफ देखने को मिलेंगे।
देवेंद्र कुमार तिवारी, उपवन संरक्षक (वन्यजीव)

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

मोदी ने मनाया उत्तराखंड का लोकपर्व इगास, किया गौ, तुलसी पूजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में उत्तराखंड के लोकपर्व इगास बग्वाल में शामिल हुए। उत्तराखंड में दिवाली के 11 दिन बाद इगास बग्वाल लोकपर्व बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इसे बूढ़ी दिवाली भी कहते हैं। इस उत्सव में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री पौड़ी गढ़वाल से बीजेपी सांसद अनिल बलूनी के दिल्ली स्थित आवास पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर उत्तराखंड की पारंपरिक टोपी पहनी। प्रधानमंत्री मोदी ने योगगुरु स्वामी रामदेव और परमार्थ निकेतन के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती के साथ गौपूजन और तुलसी पूजन कर इगास की पवित्र अग्नि प्रज्वलित की। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज और बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेन्द्र शास्त्री भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को इगास बग्वाल की शुभकामानएं देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि 'उत्तराखंड के मेरे परिवारजनों सहित सभी देशवासियों को इगास पर्व की बहुत-बहुत बधाई! दिल्ली में आज मुझे भी उत्तराखंड से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी जी के यहां इस त्योहार में शामिल होने का सौभाग्य मिला। मेरी कामना है कि यह पर्व हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाए। हम विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भू रूपातंरण एवं आवंटन की प्रक्रिया में आएगी सुगमता

लागू हुई विकास प्रोत्साहन एवं नियत्रंण उपविधियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के सुनियोजित विकास एवं उनके मास्टर प्लान के क्रियान्वयन हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में नगरीय विकास विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर प्रदेश के सभी शहरों में विकास प्रोत्साहन एवं नियत्रंण उपविधियां (डवलपमेंट प्रमोशन एवं कंट्रोल रेगुलेशन्स) को लागू किया है। इन उपविधियों के लागू होने से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में भावी जनसंख्या की आवश्यकता अनुसार भू-उपयोग मानचित्र में विभिन्न भू-उपयोग यथा आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत, औद्योगिक, सार्वजनिक व अर्ध-सार्वजनिक, आमोद-प्रमोद आदि के कार्य आसानी से संपादित होंगे। भू उपयोग परिवर्तन में लगने वाले समय में कमी आएगी और आमजन को सहूलियत होगी। साथ ही, सामुदायिक, शैक्षणिक, चिकित्सा सुविधाओं हेतु भूमि रूपान्तरण एवं भू-आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपादित हो सकेगी, जिससे इनसे संबंधित आधारभूत संरचनाओं के लिए निवेश आएगा। अधिसूचित उपविधियों के अनुसार मुख्य भू-उपयोग में पूरक व संगत गतिविधियों को अनुज्ञेय करते समय न्यूनतम तकनीकी मापदण्डों का निर्धारण किया गया है। इससे उस क्षेत्र का वातावरण भी प्रभावित नहीं होगा एवं आमजन को आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेगी।

स्थानीय स्तर पर मिलेगी अनुमति– इन उपविधियों के अनुसार न्यूनतम तकनीकी मापदण्ड के आधार पर भू-उपयोग परिवर्तन स्थानीय निकाय के स्तर पर अनुमोदित किया जा सकेगा। प्रत्येक मुख्य भू-उपयोग के अन्तर्गत अनुज्ञेय संगत गतिविधियों का दो श्रेणीयों- अनुमत एवं अनुमति योग्य में विभाजित गया है। अनुमत गतिविधियां स्थानीय निकाय स्तर तथा अनुमति योग्य गतिविधियां क्षेत्रीय नगर नियोजन अधिकारी स्तर से परीक्षण उपरान्त स्थानीय निकाय के स्तर पर अनुज्ञेय की जा सकेगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- आरटीआई में ले सकते हैं दूसरे अभ्यर्थियों के नंबरों की सूचना

सरकारी भर्ती के अंक निजी नहीं-हाईकोर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने युवाओं से संबंधित एक अहम फैसले में कहा है कि सरकारी भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों का खुलासा करने से उनकी निजता और गोपनीयता का हनन नहीं होता। यह जानकारी सूचना का अधिकार (आरटीआई) के जरिये प्राप्त की जा सकती है। जस्टिस महेश सोनक और जस्टिस जितेन्द्र जैन की बेंच ने महाराष्ट्र सूचना आयोग के उस आदेश को रद्द करते हुए यह व्यवस्था दी जिसमें इन नंबरों को निजी जानकारी बताते हुए सूचना देने से इनकार कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने कहा, सरकारी भर्ती के अंक निजी नहीं

बेंच ने फैसले में कहा कि यह सार्वजनिक प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। ऐसी चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों को ऐसी व्यक्तिगत जानकारी नहीं माना जा सकता, जिसके प्रकटीकरण का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है। ऐसी जानकारी प्रदान करना व्यक्ति की निजता पर अनुचित आक्रमण भी नहीं होगा। आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) के तहत केवल ऐसी व्यक्तिगत सूचनाओं को प्रकट करने से छूट दी है, जिनका किसी सार्वजनिक हित से संबंध नहीं है। सार्वजनिक परीक्षा के अंकों का खुलासा व्यापक सार्वजनिक हित के दायरे में आता है।

केंद्र व राज्यों से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें शराब की दुकानों पर खरीदारों के उम्र की जांच की व्यवस्था करने के निर्देश देने की मांग की गई है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता संस्था कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग (सीएडीडी) की ओर से कहा गया कि छोटे बच्चे बिना किसी प्रतिबंध के खुलेआम शराब खरीद रहे हैं। जिन देशों में शराब खरीदने की आयु सीमा अधिक है, वहां अपराध दर कम है। शराब खरीदने के लिए मौजूदा प्रतिबंधों को और सख्त बनाए जाएं और शराब बेचने से पहले खरीदार की आयु के सत्यापन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039